दिल्ली | शुक्रवार, 02 जनवरी, 2026
शुल दशमी, विक्रम सवत 2082, पौष पुत्रदा एकादशी
वर्ष 11 | अंक : 161 | मूल्य 1.00 रुपए | पृष्ठ 8

दैनिक विश्व केसरी

vishwakesari.com
दिल्ली

@ खेल रमन लांबा: स्टाइलिश क्रिकेटर, जो छोटे से करियर में फैंस के चहेते बन गए
@ विचार सेकुलरवाद का बहाना, वोटरों पर निशाना
@ व्यापार देश में बढ़ती बिजली खपत के बीच अदाणी ग्रुप ने ग्रीन एनर्जी पर फोकस बढ़ाया

संक्षिप्त समाचार

देश में जल्द चलेगी बुलेट ट्रेन, अश्विनी वैष्णव बोले- टिकट खरीद लीजिए

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के इतिहास में जल्द ही एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रेल मंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि 15 अगस्त 2027 को देश को पहली बुलेट ट्रेन मिल जाएगी।
अश्विनी वैष्णव ने मजाकिया लहजे में कहा कि आप अभी से बुलेट ट्रेन की टिकट खरीद लीजिए, अगले साल बुलेट ट्रेन भी आ जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि परियोजना को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए सरकार पूरी गंभीरता से काम कर रही है।
रेल मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की पूरी टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन पूरा हो गया है। इसका पहला रूट गुवाहाटी-कोलकाता प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले दिनों में इस रूट पर पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

बिहार के सीएम नीतीश पैतृक गांव कल्याण बिगहा पहुंचे, मां की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को अपनी माता परमेश्वरी देवी की पुण्यतिथि के अवसर पर पैतृक गांव कल्याण बिगहा, हरनौत पहुंचे। यहां उन्होंने कविराज रामलखन सिंह स्मृति वाटिका जाकर परमेश्वरी देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पिता रामलखन सिंह और अपनी धर्मपत्नी मंजू सिन्हा की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर मुख्यमंत्री के बड़े भाई सतीश कुमार, पुत्र निशांत कुमार और परिजनों ने भी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।सीएम नीतीश ने अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा के प्रसिद्ध भगवती मंदिर (देवी स्थान) में पूजा अर्चना भी की और राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। कल्याण बिगहा और आसपास के लोग मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर अत्यधिक प्रफुल्लित थे। मुख्यमंत्री ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनका अभिवादन स्वीकार किया।

संभावनाओं का साल 2026

बदलाव की आहट, दुबई से मियामी तक वैश्विक शिखर समेलनों से आकार लेगा भविष्य

संवाददाता ■ नई दिल्ली

साल 2026 को दुनिया ऐसे समय के रूप में देख रही है जब वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, तकनीक और पर्यावरण से जुड़े फैसले एक-दूसरे से गहराई से जुड़ते नजर आएंगे। नव वर्ष के पहले दिन दुनिया के सभी लीडर्स ने अपने संदेश में वैश्विक शांति, सम्मान और साझेदारी की बात की। इस साल कई बैठक और सम्मेलन होंगे जिन पर सभी की नजर होगी। कुछ प्रमुख सम्मेलनों पर नजर रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि ये उज्जवल भविष्य का वादा करते हैं।

पहला प्रमुख शिखर सम्मेलन 3-5 फरवरी के बीच दुबई में प्रस्तावित है, जहां 'वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट 2026' में दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री और नीति-निर्माता भविष्य की सरकारों, डिजिटल गवर्नेंस और वैश्विक सहयोग पर मंथन करते दिखेंगे। यह सम्मेलन संकेत देता है कि 2026 केवल प्रतिक्रियाओं का नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीतियों का साल बनने जा रहा है।इसी क्रम में 19-20 फरवरी को नई दिल्ली में होने वाला 'एआई इंपैक्ट समिट' दुनिया का ध्यान कृत्रिम बुद्धिमत्ता की ओर खींचता है। यहां यह सवाल केंद्र में रहेगा कि एआई मानव जीवन, रोजगार, सुरक्षा और शासन को किस तरह बदल सकता है। इसके तुरंत बाद (25-27 फरवरी) दिल्ली में ही 'वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2026' का मकसद हरित विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साल के रूप में स्थापित करना है, जहां ऊर्जा, जलवायु और विकास के संतुलन पर वैश्विक सहमति बनाने की कोशिश होगी।

जून आते-आते फ्रांस के ऐवियन-ले-बेंस में जी7 शिखर सम्मेलन आयोजित होगा, जहां दुनिया की सबसे विकसित अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक मंदी, ऊर्जा संकट और अंतरराष्ट्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण बनाने की कोशिश करेंगी। यह सम्मेलन 2026 को आर्थिक दिशा देने वाले निर्णायक पड़ाव के रूप में देखा जा रहा है। ये 14 से 17 जून तक आयोजित होगा।

इसके बाद 7-8 जुलाई को अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन सुरक्षा और सामरिक संतुलन के प्रश्नों को सामने लाएगा। यूक्रेन युद्ध के बाद बदले वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में यह बैठक इस बात का संकेत होगी कि 2026 सैन्य और कूटनीतिक संतुलन के लिहाज से भी बेहद अहम वर्ष है।

नवंबर में तुर्की में प्रस्तावित सीओपी31 जलवायु सम्मेलन 2026 को पर्यावरणीय फैसलों का साल बना देता है। 9-20 नवंबर तक होने वाले इस सम्मेलन में यह तय करने की कोशिश होगी कि वैश्विक तापमान को नियंत्रित करने के लिए देश कितनी गंभीरता से ठोस कदम उठाने को तैयार हैं। यह सम्मेलन आने वाले दशकों की जलवायु नीति की नींव रख सकता है। साल का समापन दिसंबर (14-15) में अमेरिका के मियामी में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन से होगा, जहां विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं एक साथ बैठकर वैश्विक आर्थिक असमानता, कर्ज संकट और विकास के नए मॉडल पर चर्चा करेंगी। यह बैठक 2026 को ऐसे साल के रूप में यादगार बना सकती है, जिसमें दुनिया ने साझा समाधान खोजने की दिशा में गंभीर प्रयास किए।

इन सभी बड़े शिखर सम्मेलनों को क्रम से देखें तो साफ दिखाई देता है कि 2026 केवल बैठकों और घोषणाओं का साल नहीं, बल्कि संभावनाओं का साल है।

नवंबर में तुर्की में प्रस्तावित सीओपी31 जलवायु समेलन 2026 को पर्यावरणीय फैसलों का साल बना देता है। 9-20 नवंबर तक होने वाले इस समेलन में यह तय करने की कोशिश होगी कि वैश्विक तापमान को नियंत्रित करने के लिए देश कितनी गंभीरता से ठोस कदम उठाने को तैयार हैं। यह समेलन आने वाले दशकों की जलवायु नीति की नींव रख सकता है। साल का समापन दिसंबर (14-15) में अमेरिका के मियामी में होने वाले जी20 शिखर समेलन से होगा

खालिदा जिया की विरासत हमेशा रहेगी, नहीं भरी जा सकती उनकी जगहः पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली,

बांग्लादेश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया का 30 दिसंबर 2025 की सुबह निधन हो गया। बेगम खालिदा जिया के जनाजे में शामिल होने के लिए भारत की तरफ से विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी वहां पहुंचे थे। एस. जयशंकर ने जिया के बेटे और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शोक संदेश सौंपा था। खत में पीएम मोदी ने खालिदा जिया के निधन पर शोक जताया और कहा कि उनके जाने से जो खालीपन है, उसे भरा नहीं जा सकता।

बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि बेगम खालिदा जिया के जाने से एक ऐसा खालीपन आया है जिसे भरा नहीं जा सकता, लेकिन उनका विजन और विरासत हमेशा रहेगी।

चिट्ठी में लिखा है, 'मुझे यकीन है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के आपके काबिल नेतृत्व में उनके आदर्शों को आगे बढ़ाया जाएगा और एक नई शुरुआत और भारत और बांग्लादेश के बीच गहरी और ऐतिहासिक साझेदारी को और बेहतर बनाने के लिए एक गाइडिंग लाइट की तरह काम करेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि उनकी संवेदनाएं बांग्लादेश के लोगों के साथ भी हैं, जिन्होंने अपने पूरे इतिहास में जबरदस्त ताकत और सम्मान दिखाया है। उन्होंने लिखा, 'मुझे भरोसा है कि वे शांति और सद्भाव के साथ आगे बढ़ते हुए अपने साझा मूल्यों, लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय एकता की गहरी भावना से आगे बढ़ते रहेंगे।

पीएम मोदी ने खालिदा जिया के साथ 2015 में अपनी मुलाकात को याद किया और कहा, 'वह एक अनोखे इरादे और विश्वास वाली नेता थीं और उन्हें बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री होने का गौरव प्राप्त था।

पीएम मोदी ने कहा कि बांग्लादेश के विकास में खालिदा जिया ने अहम भूमिका निभाई। खालिदा जिया ने बांग्लादेश के विकास के साथ-साथ भारत-बांग्लादेश संबंधों को मजबूत करने में कई अहम योगदान दिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'इस गहरे निजी नुकसान पर मेरी दिल से संवेदनाएं स्वीकार करें। उनकी आत्मा को शांति मिले। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की कि वे तारिक रहमान और उनके परिवार को इस मुश्किल समय से उबरने की ताकत और हिम्मत दें। उन्होंने कहा, 'मैं आपके भविष्य के प्रयासों के लिए भी आपको शुभकामनाएं देता हूं। 31 दिसंबर को उन्हें उनके पति और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के कब्र के पास सुपुर्द-ए-खाक किया गया। बेगम जिया को अंतिम विदाई देने के लिए हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। जिया के जाने के साथ ही बांग्लादेश में राजनीतिक युग का अंत हो गया।

साल के पहले दिन जमी और बीमार सैनिकों से मिलने अस्पताल पहुंचे सेनाध्यक्ष

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नववर्ष 2026 के पहले ही दिन थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी भारतीय सेना के जवानों के बीच मौजूद रहे। नव वर्ष के अवसर पर थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने दिल्ली कैंट स्थित बेस हॉस्पिटल का दौरा किया। अपने इस विशेष अवलोकन के दौरान उन्होंने यहां उपचाराधीन सैन्य जवानों, अधीनस्थ अधिकारियों और पूर्व सैनिकों से मुलाकात की। सेनाध्यक्ष ने यहां इन सैनिकों के अदम्य साहस, जज्बे और हर परिस्थिति में लड़ने की भावना की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने उपचार करा रहे सैनिकों व पूर्व सैनिकों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की।

गौरतलब है कि दिल्ली कैंट स्थित बेस हॉस्पिटल देश के सबसे बड़े सैन्य अस्पतालों में शुमार है। जनरल द्विवेदी ने अस्पताल में तैनात सैन्य चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ के समर्पण, पेशेवर उत्कृष्टता और कर्तव्यनिष्ठ सेवा की भी भरपूर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि चिकित्सा दल द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयास न केवल रोगियों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि यह भारतीय सेना की देखभाल एवं सेवा के उच्च मानकों को भी दर्शाते हैं। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने बेस हॉस्पिटल के संपूर्ण स्टाफ को उनकी संवेदनशील, मानवीय और निरंतर सेवा भावना के लिए धन्यवाद दिया। धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि वे सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। उन्होंने नए वर्ष के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए अस्पताल प्रशासन को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन का आश्वासन दिया।

गौरतलब है कि भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने नव वर्ष पर अपने एक संदेश में कहा है कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत दृढ़ एवं निर्णायक कार्रवाई की और दुश्मन को करारा जवाब दिया गया। यह अभियान आज भी जारी है।

राजनाथ सिंह ने खालिदा जिया के निधन पर जताया शोक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन पर गहरा शोक जाहिर किया है। राजनाथ सिंह गुरुवार को नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री एवं बीएनपी की चेयरपर्सन बेगम खालिदा जिया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने बांग्लादेश उच्चायोग में मौजूद शोक-पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। विशेषज्ञों का कहना है कि बेगम जिया के निधन से न केवल बांग्लादेश, बल्कि पूरे क्षेत्र की राजनीति में एक युग का अंत हो गया है। वहीं राजनाथ सिंह ने लिखा कि भारत सरकार और भारतीय जनता बेगम जिया के परिवार तथा बांग्लादेश के नागरिकों के साथ इस कठिन घड़ी में खड़ी है। रक्षा मंत्री ने बेगम जिया के राजनीतिक योगदान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद करते हुए उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि यह क्षति बांग्लादेश की राष्ट्रीय राजनीति के लिए अत्यंत दुखद है। विभिन्न राजनीतिक दलों व नेताओं ने उनके परिवार की दृढ़ता और साहस की कामना की है। खालिदा जिया बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री थीं।

76 वर्ष बीत जाने के बावजूद आज तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि खरसावां गोलीकांड में वास्तव में कितने लोग मारे गए

77 साल पहले हजारों निर्दोष लोगों के खून से लाल हुई थी खरसावां की धरती, शहीदों को नमन करने पहुंचे सीएम हेमंत

एजेंसी ■ रांची

नववर्ष का पहला दिन जहां दुनिया भर में उल्लास और उत्सव का प्रतीक है, वहीं झारखंड के खरसावां के लिए यह तारीख आज भी एक गहरे जख्म की तरह है। आज़ादी के बाद 1 जनवरी 1948 को खरसावां की धरती पर ऐसा रक्तपात हुआ, जिसकी तुलना जलियांवाला नरसंहार से की जाती है।

उस दिन हजारों आदिवासियों पर गोलियां चलीं, जब वे खरसावां और सरायकेला रियासत को तत्कालीन उड़ीसा में मिलाए जाने के फैसले के खिलाफ अपनी आवाज उठाने के लिए एकत्र हुए थे। हर वर्ष की तरह इस बार भी शहीदों की स्मृति में 1 जनवरी को खरसावां स्थित शहीद स्मारक पर बड़ी संख्या में लोग जुटे।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, मंत्री दीपक बिरुवा, सिंहभूम की सांसद जोबा मांझी, चक्रधरपुर के विधायक सुरखराम उरांव, खरसावां के विधायक दशरथ गागराई और ईचागढ़ की विधायक सविता महतो ने भी स्मारक पर पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस गोलीकांड की पृष्ठभूमि देश की आजादी के बाद रियासतों के विलय और राज्यों के पुनर्गठन से जुड़ी है। उस समय खरसावां और सरायकेला को उड़ीसा में शामिल किए जाने का प्रस्ताव सामने आया था, जिसका स्थानीय आदिवासी समाज ने कड़ा विरोध किया। वे उड़ीसा में विलय के बजाय अलग राज्य की मांग कर रहे थे। इसी मांग को लेकर 1 जनवरी 1948 को खरसावां हाट मैदान में एक विशाल सभा आयोजित की गई थी, जिसकी अगुवाई आदिवासी नेता मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा को करनी थी। सभा में शामिल होने के लिए जमशेदपुर, रांची, चाईबासा, सिमडेगा, खूंटी, तमाड़ सहित कई दूरस्थ क्षेत्रों से आदिवासी आंदोलनकारी खरसावां पहुंचे थे।

आज़ादी के बाद 1 जनवरी 1948 को खरसावां की धरती पर ऐसा रक्तपात हुआ, जिसकी तुलना जलियांवाला नरसंहार से की जाती है

राहुल गांधी ने दी नव वर्ष की शुभकामनाएं, खड़गे बोले- 2026 बने अधिकारों की रक्षा का साल

नई दिल्ली। नववर्ष 2026 के अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नए साल को खुशहाली, स्वास्थ्य, समृद्धि और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का अवसर बताया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नववर्ष की बधाई देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि नया साल सभी के जीवन में ढेर सारी खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और सफलताएं लेकर आए।

भारत ने अपनी हिरासत में मौजूद 391 नागरिक कैदियों और 33 मछुआरों की सूची साझा की

भारत और पाकिस्तान ने कैदियों व परमाणु प्रतिष्ठानों की सूचियों का आदान-प्रदान किया

ब्यूरो ■ नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान ने गुरुवार को राजनयिक माध्यमों से नागरिक कैदियों, मछुआरों और परमाणु प्रतिष्ठानों की सूचियों का आदान-प्रदान किया।

भारत ने अपनी हिरासत में मौजूद 391 नागरिक कैदियों और 33 मछुआरों की सूची साझा की, जो पाकिस्तानी हैं या जिनके पाकिस्तानी होने की आशंका है।

इसी तरह, पाकिस्तान ने अपनी हिरासत में मौजूद 58 नागरिक कैदियों और 199 मछुआरों की सूची साझा की, जो भारतीय हैं या जिनके भारतीय होने की आशंका है। भारत ने नागरिक

कैदियों और मछुआरों को उनकी नौकाओं सहित शीघ्र रिहा कर स्वदेश भेजने के साथ-साथ पाकिस्तान की हिरासत में मौजूद लापता भारतीय रक्षा कर्मियों की वापसी की मांग की। पाकिस्तान से यह भी आग्रह किया गया है कि वह अपनी सजा पूरी कर चुके 167 भारतीय मछुआरों और नागरिक कैदियों की रिहाई और स्वदेश वापसी की प्रक्रिया में तेजी लाए।

इसके अलावा, पाकिस्तान से कहा गया है कि वह अपनी हिरासत में मौजूद 35 ऐसे नागरिक कैदियों और मछुआरों को तत्काल कांसुलर (दूतावास) पहुंच प्रदान करे, जिन्हें अब तक यह सुविधा नहीं दी गई है और जिनके भारतीय होने की आशंका है। इन प्रयासों के माध्यम से वर्ष 2014 से अब तक 2,661 भारतीय मछुआरों और 71 भारतीय नागरिक कैदियों को पाकिस्तान से स्वदेश लाया जा चुका है।

भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले के निषेध संबंधी समझौते के तहत आने वाले परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूचियों का भी आदान-प्रदान किया गया। यह दोनों देशों के बीच इस प्रकार की सूचियों का लगातार 35वां आदान-प्रदान था, जिसकी शुरुआत 1 जनवरी 1992 को हुई थी।

भारत-मालदीव का द्विपक्षीय व्यापार बीते 8 वर्षों में तीन गुना बढ़ा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत और मालदीव का द्विपक्षीय व्यापार बीते आठ वर्षों में तीन गुना बढ़ा है। इस दौरान भारत का निर्यात दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 680 मिलियन डॉलर पर पहुंच गया है, जबकि मालदीव से आयात 20 गुना बढ़कर 119 मिलियन डॉलर हो गया है।

बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटक मालदीव घूमने जाते हैं और इससे बीते कुछ वर्षों में दोनों देशों की एक-दूसरे पर निर्भरता काफी बढ़ी है।

मालदीव इनसाइट समाचार पोर्टल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार,हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा के बाद भारत-मालदीव संबंधों में एक नया मोड़ आया है, जिसके दौरान आठ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों में ऋण राहत भी शामिल है, जिससे मालदीव पर वार्षिक ऋण चुकौती का बोझ 40 प्रतिशत तक कम हो जाएगा। इसमें बुनियादी ढांचे के लिए 565 मिलियन डॉलर की क्रेडिट लाइन, यूपीआई-रुपे एकीकरण, मत्स्य पालन सहयोग, आवास परियोजनाएं, सुरक्षा सहायता, जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपाय और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और निवेश संधि वार्ता को आगे बढ़ाना भी शामिल है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत द्वारा निर्यात की जाने वाली वस्तुएं, जिनमें पेट्रोलियम उत्पाद, दवाइयां और चावल, फल और सब्जियां जैसे खाद्य पदार्थ शामिल हैं, मालदीव के लिए आर्थिक रूप से आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त, भारत द्वारा निर्यात की जाने वाली मशीनरी, विद्युत उपकरण और परिवहन वाहन मालदीव में उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मूल्य के हिसाब से भले ही मालदीव से आयात कम हो, लेकिन इसका रणनीतिक और आर्थिक महत्व है। भारत मुख्य रूप से मछली और समुद्री उत्पाद आयात करता है।

लेख में कहा गया है कि पर्यटन भारत और मालदीव के बीच सबसे प्रत्यक्ष और गतिशील सेतु है। इसमें बताया गया है कि मालदीव में पर्यटकों के आगमन के मामले में भारत लगातार शीर्ष देशों में शुमार रहा है, जिससे पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को स्थिरता और मजबूती मिलती है, खासकर तब जब यूरोप या पूर्वी एशिया से आने वाले पर्यटकों की संख्या में उतार-चढ़ाव होता है।लेख में यह भी कहा गया है कि भारत-मालदीव संबंध बुनियादी पड़ोसी संबंधों से विकसित होकर एक परिपक्व, बहुआयामी साझेदारी में तब्दील हो गए हैं, जो विश्वास, विकास और साझा दृष्टिकोण पर आधारित है। लेख में आगे कहा गया है कि प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते और द्विपक्षीय निवेश संधि के साथ भारत-मालदीव संबंधों का भविष्य और भी व्यापक होने की ओर अग्रसर है, जिनसे आर्थिक सहयोग मजबूत होने और निजी निवेश प्रवाह में वृद्धि होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त खबर

राम के अस्तित्व पर सवाल उठाने वाले आज उनके नाम पर राजनीति कर रहे हैं: रोहन गुप्ता

अहमदाबाद। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहन गुप्ता ने नाना पटोले और अभिषेक बनर्जी के बयानों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाने वाले आज भगवान राम के नाम का उपयोग कर रहे हैं। नाना पटोले के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रोहन गुप्ता ने आईएएनएस से कहा कि जो लोग भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते रहे हैं, वही आज भगवान राम के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। पहले यह स्पष्ट किया जाए कि क्या वे भगवान राम और उनके आदर्शों को मानते हैं या नहीं। जो लोग सनातन परंपरा का विरोध करते हैं, वे भगवान के नाम पर राजनीति कर अपनी रोटियां कैसे सेंक सकते हैं। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के 'विपक्ष को चुनाव जमीन पर लड़ना चाहिए' वाले बयान पर रोहन गुप्ता ने कहा कि सच्चाई यह है कि चाहे टीएमसी हो या कांग्रेस, दोनों ही जनता का भरोसा खो चुके हैं। अब ये दल अपनी डूबती राजनीति को बचाने के लिए नाकाम कोशिशें कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले सभी दल इंडिया ब्लॉक के नाम पर एकजुट हो जाते हैं और राजनीतिक फायदे उठाने की कोशिश करते हैं। लेकिन जैसे ही चुनाव नजदीक आता है, व्यक्तिगत स्वार्थ हावी हो जाता है। परिणाम आते ही हार के बाद ये दल बिखर जाते हैं। टीएमसी नेता का बयान इस बात का सबूत है कि राष्ट्रीय राजनीति में साथ होने का दावा करने वाले दल एक-दूसरे पर ही हमलावर क्यों हो जाते हैं। रोहन गुप्ता ने कहा कि जिस तरह दिल्ली की जनता ने इन्हें माफ नहीं किया, उसी तरह पश्चिम बंगाल की जनता भी इन्हें माफ नहीं करेगी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि वर्ष 2025 में जनता ने कांग्रेस को कड़ा रियलिटी चेक दिया है। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस भले ही नैतिक जीत का दावा करती रही हो, लेकिन जनता ने साफ दिखा दिया है कि उनका यह नैरेटिव कहां फेल होता है। उन्होंने कहा कि अगर कोई दल राजनीतिक लाभ के लिए देश या सशस्त्र बलों का विरोध करेगा, तो जनता उसे कभी माफ नहीं करेगी।

रोहन गुप्ता ने दो टूक कहा कि जो लोग देश के विरोध में खड़े रहेंगे, वे विपक्ष के लायक भी नहीं बचेंगे। 'वोट चोरी' जैसे आरोप लगाकर विपक्ष सिर्फ अपनी राजनीति की दुकान चलाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन जनता अब सब समझ चुकी है।

भाजपा वोट चोरी से सरकार बनाकर मौत परोसती है : पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर में दूषित पानी से हुई मौत को लेकर कांग्रेस ने बड़ा हमला बोला है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी वोट चोरी करके सरकार बनाती है और मौत परोसने का काम करती है।

दरअसल, इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ गए और उनमें से कई की मौत भी हुई है। मौत का सरकारी आंकड़ा चार है जबकि विपक्षी दल इसे 10 से ज्यादा बता रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा की भारतीय जनता पार्टी वोट चोरी से लगातार सरकार बनाती है और मौत परोसने का काम करती है।

उन्होंने कहा, 'पिछले दिनों छिंदवाड़ा जिले में जहरीला कफ सिरप पीने से 25 बच्चों की मौत हुई थी। जिस दवा से बच्चों की जान बचाई जानी थी, उसी दवा ने उनकी जान ले ली थी। इससे संदेश क्या जाता है, किसी को सजा नहीं मिलेगी। वही स्थिति इंदौर में है।

इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौत का जिक्र करते हुए पटवारी ने कहा कि 10 साल के इंतजार के बाद बच्चा हुआ और 10 माह के बच्चे सहित 13 लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार की ओर से मौत का आंकड़ा चार बताया जा रहा है, कुल मिलाकर मौतों की संख्या को भी छुपाया जा रहा है। अधिकारियों पर गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज किया जाना चाहिए और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को हटाया जाना चाहिए। इंदौर में भाजपा के 9 विधायक है, सांसद है, महापौर है। उसके बाद भी पानी में जहर परोसा गया है।

वहीं दूसरी ओर, इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से हुई मौत के मामले को सरकार ने भी गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव भी पीड़ितों के बीच पहुंचे और उन्होंने मृतकों के परिवारों को आर्थिक मदद का ऐलान किए जाने के साथ बीमारों के बेहतर उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा तीन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इतना ही नहीं, इस मामले की जांच के लिए कमेटी बनाई गई है।

मोतिहारी में भारत-नेपाल सीमा से तीन बांग्लादेशी सहित चार गिरफ्तार

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के हरैया थाना क्षेत्र स्थित भारत-नेपाल सीमा से अवैध रूप से प्रवेश कर रहे तीन बांग्लादेश के नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। इनकी मदद कर रहे एक भारतीय युवक को भी इस दौरान पकड़ा गया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की मदद से नेपाल के रास्ते भारत में अवैध रूप से प्रवेश कर रहे तीन बांग्लादेशी नागरिकों और उनकी मदद कर रहे एक भारतीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। इनसे पूछताछ के बाद यह बात सामने आई है कि गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी नागरिकों के पास पासपोर्ट तो मौजूद था, लेकिन भारत आने के लिए कोई वैध वीजा नहीं था।

आरोप है कि ये लोग नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारतीय सीमा में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। जिन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है, उनकी पहचान जेशोरे के चौगछा निवासी मोहम्मद शाहीनूर रहमान, उत्तार चार मोंगल निवासी मोहम्मद सोबुज और मोजम्मेल निवासी मोहम्मद फिरोज के रूप में की गई है। इनके पास से 2,000 भारतीय रुपए, 33,020 नेपाली रुपए, 1,000 बांग्लादेशी करेंसी और दो अमेरिकन डॉलर बरामद किए गए हैं। साथ ही चार मोबाइल फोन और तीन पासपोर्ट भी जब्त किए गए हैं। पुलिस इनके पास से बरामद मोबाइल फोन के कॉल डिटेल्स की जांच कर रही है। पूछताछ और तलाशी में सामने आया कि ये सभी बांग्लादेशी नागरिक हैं, जबकि चौथा व्यक्ति भारतीय है, जो उन्हें सीमा पार कराने में मदद कर रहा था। इन तीनों की मदद कर रहा भारतीय युवक मो. सरफराज अंसारी है, जो बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के चनपटिया थाना क्षेत्र का निवासी है।

शाहरुख खान के बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम में शामिल करने पर भाजपा विधायक ने उठाए सवाल, कहा- हिंदू विरोधी मानसिकता

नई दिल्ली। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा बांग्लादेशी क्रिकेटर को टीम में शामिल करने के बाद विवाद बढ़ गया है। इस मामले में प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने पहले ही चिंता जताई थी, जिसके बाद राजनीति और मीडिया में भी बहस तेज हो गई।

भाजपा विधायक करनैल सिंह ने कहा कि यह बहुत गंभीर विषय है। उनका कहना है कि हमारे देश में बच्चों की प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन बॉलीवुड और बड़े अभिनेता जो खुद को हीरो कहते हैं, उनकी मानसिकता पर सवाल उठता है।

उन्होंने कहा कि जब हिंदुओं पर बांग्लादेश में अत्याचार हो रहे हैं, नरसंहार हो रहे हैं, तब ये लोग चुप रहते हैं, लेकिन अगर भारत में

कोई छोटी सी बात होती है, तो तुरंत प्रतिक्रिया दिखाते हैं। उनके मुताबिक, यह स्पष्ट रूप से हिंदू विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

करनैल सिंह ने शाहरुख खान पर भी सीधे सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उन्हें समझना चाहिए कि जिस देश में वह रहते हैं, उसी देश के प्रति वफादारी निभाना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी

भाजपा विधायक करनैल सिंह ने कहा कि यह बहुत गंभीर विषय है। उनका कहना है कि हमारे देश में बच्चों की प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन बॉलीवुड और बड़े अभिनेता जो खुद को हीरो कहते हैं, उनकी मानसिकता पर सवाल उठता है

समय है, उन्हें अपने रवैए में सुधार करना चाहिए। उनके अनुसार, अंदर जितना दर्द और घुटन है, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते, लेकिन बिना शब्दों के भी उनका असर हिंदुओं पर पड़ रहा है। यह गंभीर और चिंता का विषय है।उन्होंने देवकीनंदन ठाकुर के बयान का भी समर्थन किया। करनैल सिंह ने कहा कि अगर किसी को बांग्लादेशी खिलाड़ियों की इतनी चिंता है, तो उन्हें खुद बांग्लादेश चले जाना चाहिए। लेकिन अगर भारत में रहना है, तो यहां की संस्कृति और भावनाओं का सम्मान करना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत में रहने वाले हर व्यक्ति को 'जय श्री राम' कहना और देश के प्रति वफादारी निभाना सीखना जरूरी है।

विधायक ने जोर देकर कहा कि इस मुद्दे में केवल खेल की बात नहीं है। यह देश और धर्म के प्रति सम्मान और भावनाओं से जुड़ा मामला है।

बांग्लादेश धीरे-धीरे एक नाजुक मोड़ की ओर बढ़ रहा: अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन?होंने कहा कि बांग्लादेश धीरे-धीरे एक नाजुक मोड़ की ओर बढ़ रहा है। भारत सरकार बांग्लादेश के आम लोगों के गुस्से और नाराजगी को समझने में नाकाम रही है।

कांग्रेस नेता ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि बांग्लादेश की मौजूदा सरकार हर मुद्दे पर लोगों की भावनाओं को भड़का रही है। लोगों से कह रही है कि भारत उनका दुश्मन है। इससे बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले बढ़े हैं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के हिंदू राष्ट्र वाले बयान पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, कुछ लोग कहते हैं कि भारत सिर्फ हिंदुओं का देश है। हम कहते हैं कि भारत सबका है। तो यह 'सिर्फ हिंदुओं' वाले भारत का विचार कहां से आता है, हमें नहीं पता। मोहन भागवत और दूसरों को पहले ठीक से समझना चाहिए कि हिंदू धर्म का असली मतलब क्या है। कम से कम उन्हें स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को पढ़ना और समझना चाहिए। स्वामी विवेकानंद पहले व्यक्ति थे जिन्होंने दुनिया को समझाया कि हिंदू धर्म असल में क्या है, जब उन्होंने 1893 में अमेरिका में भाषण दिया था। उन्हें उनके लेखों और उपदेशों का ध्यान से अध्ययन करना चाहिए। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के चुनाव आयोग पर आरोप को लेकर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, 'पर्दे के पीछे क्या होता है, कौन जानता है? ये अंदरूनी मामले हैं।

एयर मार्शल नागेश कपूर बने भारतीय वायुसेना के नए उप प्रमुख

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन के तहत एयर मार्शल नागेश कपूर ने वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ का कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने गुरुवार, 1 जनवरी 2026 को औपचारिक रूप से यह पदभार संभाला है। उप प्रमुख पद पर उनकी नियुक्ति का आदेश लागू करते हुए वायु मुख्यालय में एक संक्षिप्त लेकिन गरिमामय समारोह में यह पदभार हस्तांतरण सम्पन्न हुआ।

एयर मार्शल कपूर को दिसंबर 1986 में भारतीय वायुसेना की फ्लाइंग ब्रांच में कमीशन दिया गया था। लगभग चार दशक लंबे सैन्य करियर में उन्होंने वायुसेना के कई प्रमुख लड़ाकू और प्रशिक्षण विमान उड़ाए हैं। वे संचालन, प्रशिक्षण एवं वैमानिकी सुरक्षा से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। अपने पेशेवर जीवन में एयर मार्शल कपूर ने अनेक सामरिक कमान नियुक्तियां भी संभाली हैं। वह वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में अत्यंत अनुभवी पायलटों में गिने जाते हैं। भारतीय वायु सेना के आधुनिकीकरण, परिचालन क्षमता में वृद्धि और भावी युद्धक आवश्यकताओं की रणनीतिक योजना में उनके योगदान को विशेष रूप से सराहा जाता रहा है। उप वायु सेना प्रमुख के रूप में वे अब वायु सेना की प्रमुख नीतियों, संचालन संबंधी दिशा-निर्देशों, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण ढांचे और भविष्य की तकनीकी अधोसंरचना से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णयों का हिस्सा रहेंगे। वे 3400 घंटे से अधिक उड़ान अनुभव वाले अनुभवी फाइटर पायलट, क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर और फाइटर कॉम्बैट लीडर हैं।

उन्होंने मिग-21 के सभी वेरिएंट और मिग-29 फाइटर विमान उड़ाए हैं। डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज और नेशनल डिफेंस कॉलेज के पूर्व छात्र एयर मार्शल कपूर का 39 वर्षों से अधिक का सेवा अनुभव कमान, संचालन, प्रशिक्षण और स्टाफ दायित्वों से परिपूर्ण रहा है।

वे स्क्वाड्रन कमांडर, स्टेशन कमांडर, एयर ऑफिसर कमांडिंग, एयर फोर्स एकेडमी में चीफ इंस्ट्रक्टर, पाकिस्तान में डिफेंस अटैची तथा एयर मुख्यालय व कमांड मुख्यालयों में कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं। उन्हें 2008 में वायुसेना मेडल, 2022 में अति विशिष्ट सेवा मेडल, तथा 2025 में परम विशिष्ट सेवा मेडल एवं सर्वोत्तम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित किया गया। नागेश कपूर ने एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी का स्थान लिया है। तिवारी 31 दिसंबर 2025 को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के उप वायु सेना प्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने राष्ट्र की चार दशकों तक गौरवशाली सेवा की।

इंस्टाग्राम पर एक्स-गर्लफ्रेंड को मैसेज भेजने पर शख्स की हत्या, लड़की का भाई और मंगेतर गिरफ्तार

चिक्कमगलुरु।कर्नाटक के चिक्कमगलुरु जिले के तारिकेरे तालुक में गुरुवार को एक हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई। जानकारी के अनुसार, एक युवक की हत्या इसलिए कर दी गई क्योंकि उसने अपनी पूर्व प्रेमिका को इंस्टाग्राम पर मैसेज भेजे थे। लड़की की शादी अब किसी दूसरे लड़के से तय हो चुकी थी।

मृतक की पहचान तारिकेरे के पास उडेवा गांव के रहने वाले मंजूनाथ (21) के रूप में हुई है। इस वारदात के बाद गिरफ्तार किए गए लोगों में लड़की का भाई, उसका मंगेतर वेणु और उनके दोस्त अप्पू और मंजू शामिल हैं। बुधवार रात को अट्टिगनालु गांव के फ्लाईओवर के पास मंजूनाथ पर चाकू से हमला किया गया था और बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, मंजूनाथ और महिला पहले रिलेशनशिप में थे, जिसे बाद में महिला ने खत्म कर दिया था। हाल ही में उसकी सगाई वेणु से हुई थी। हालांकि, बार-बार चेतावनी देने के बावजूद मंजूनाथ कथित तौर पर उसे व्हाट्सएप और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मैसेज भेजता रहा।

हाल ही में उसने इंस्टाग्राम पर महिला को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक वीडियो और मैसेज पोस्ट किया था। यह देखकर महिला का परिवार परेशान हो गया और उसके मंगेतर वेणु ने कथित तौर पर परिवार से इस बारे में सवाल किया।

बुधवार रात को महिला के भाई ने कथित तौर पर मंजूनाथ को एक फ्लाईओवर पर बुलाया और अपनी बहन को मैसेज भेजने के बारे में उससे सवाल किया। बताया जाता है कि वेणु ने मंजूनाथ से पूछा कि क्या वह आगे आकर परिवार से बात करना चाहता है और उससे शादी करना चाहता है। पुलिस ने बताया कि बहस झगड़े में बदल गई, जिसके दौरान लड़की के भाई ने गुस्से में आकर मंजूनाथ पर चाकू से हमला कर दिया।

घायल हालत में मंजूनाथ को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। तारिकेरे पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

इससे पहले, 9 जून, 2025 को बेंगलुरु से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई थी, जिसमें एक सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल ने अपनी 36 साल की शादीशुदा प्रेमिका को चाकू मारकर मार डाला था, क्योंकि पति को शक होने के बाद वह उससे अक्सर मिल नहीं पा रही थी।

सोलन में पुलिस थाने के पास जोरदार धमाका, इमारतों के शीशे टूटे, दीवारों में पड़ी दरारें

सोलन। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में नालागढ़ पुलिस थाने के पास नए साल के पहले दिन सुबह करीब 9:45 बजे एक जोरदार धमाका हुआ, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। धमाके की तेज आवाज 400 से 500 मीटर दूर तक सुनाई दी और इसका असर इतना जबरदस्त था कि आसपास की कई इमारतों के शीशे चूर-चूर हो गए। इनमें पुलिस थाने का भवन, ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक (आर्मी अस्पताल), मार्केट कमेटी का ऑफिस और सैनिक विश्राम गृह शामिल हैं। कुछ जगहों पर दीवारें भी क्षतिग्रस्त हुईं। गनीमत रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।धमाका पुलिस थाने के पास एक गली में हुआ, जिससे स्थानीय लोग और दुकानदार घबराकर निकल आए। कई लोगों ने बताया कि धमाका इतना तेज था कि जमीन हिल गई और सब कुछ कांप उठा। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और घटनास्थल को तुरंत सील कर दिया गया।

पीएम मोदी राजकोट में 11 जनवरी को करेंगे रीजनल वाइब्रेंट समिट का शुभारंभ: जीतू वाघाणी

राजकोट। सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र के औद्योगिक और आर्थिक विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से 11 जनवरी से राजकोट में रीजनल वाइब्रेंट समिट का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस समिट की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। गुजरात के मंत्री जीतू वाघाणी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में रोड शो की योजना बनाई जा रही है।

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर पूरे सौराष्ट्र क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और लोग उनके स्वागत के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में आयोजित ट्रेड शो का भी उद्घाटन करेंगे। इस वाइब्रेंट समिट में यूक्रेन, जापान, रिपब्लिक ऑफ कोरिया सहित कई देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। समिट के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में करोड़ों रुपए के एमओयू किए जाएंगे, जिससे सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र में निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास को मजबूती मिलेगी। यह समिट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और विकास दृष्टि पर लोगों के विश्वास को भी दर्शाता है।

समिट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत स्वदेशी थीम पर किया जाएगा, जिसमें भारत की सांस्कृतिक विरासत और स्थानीय उत्पादों को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। अब तक इस वाइब्रेंट समिट के लिए 6 हजार से अधिक पंजीकरण हो चुके हैं, जबकि 22 देशों के प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके अलावा समिट के दौरान विभिन्न विषयों पर राउंड टेबल बैठकें भी आयोजित की जाएंगी, जिनमें उद्योग, व्यापार और निवेश से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। प्रदर्शनी को आकर्षक बनाने के लिए सेमिनार, फूड कोर्ट, 'एक जिला-एक उत्पाद' की झलक और कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

21वीं सदी के भारत में हर भारतीय लोकतंत्र का योद्धा है, सिर्फ भागीदार नहीं : डिप्टी सीएम विजय सिन्हा

पटना। नववर्ष 2026 के मौके पर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए लोकतंत्र, सुशासन और भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने आईएएनएस से कहा कि बिहार लोकतंत्र की धरती है और यहां से जो संदेश जाता है, वह सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल सहित पूरे देश में लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले हर नागरिक तक पहुंचता है।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि लोकतंत्र में हर भारतीय सिर्फ भागीदार नहीं, बल्कि उसका योद्धा है। उन्होंने परिवारवाद और जातीय राजनीति पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग सत्ता को जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं और जातीय उन्माद के सहारे आगे बढ़ना चाहते हैं, लेकिन बिहार की जनता ने ऐसे प्रयासों को सिरे से नकार दिया है। बिहार के लोगों ने साफ संदेश दिया है कि उन्हें विकास पसंद है, सामाजिक सौहार्द पसंद है और वही राजनीति स्वीकार है, जो जनता की सेवा के भाव से की जाए।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को

जनता का सेवक बनकर काम करना चाहिए। सम्मान तभी मिलता है, जब सेवा, ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम किया जाए। मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों ने अपने कार्यकाल में यह साबित किया है कि शुचिता, सुशासन और पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ना ही सही रास्ता है। यही मॉडल आज बिहार की पहचान बन रहा है।विजय सिन्हा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देश में दूरदृष्टि, मजबूत इरादों और स्पष्ट नीति के साथ एक सकारात्मक माहौल बना है, जिस पर हर भारतीय गर्व करता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के साथ पूरी दुनिया को एक परिवार मानते हुए आगे बढ़ रहा है और मानवता के कल्याण के लिए काम कर रहा है।

राहुल गांधी की भगवान राम से तुलना पर सियासी विवाद, भाजपा नेताओं ने नाना पटोले को बताया 'चापलूस'

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी की भगवान राम से तुलना करने पर कांग्रेस नेता नाना पटोले को करारा जवाब दिया है। भाजपा नेताओं ने कहा कि ऐसे बयान कांग्रेसियों की चापलूसी को दिखाते हैं।

भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कांग्रेस को 'रावण की पार्टी' बताया और कहा कि उसके नेता अब राम की शरण में जाने लगे हैं। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'कांग्रेस राहुल गांधी को राम बता रही है तो उम्मीद है कि वह अयोध्या में राम मंदिर जाकर आशीर्वाद लेंगे और 'जी राम जी' योजना का गुणगान करेंगे।

नाना पटोले के बयान पर विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने भी पलटवार किया। उन्होंने कहा, 'नाना पटोले का बयान गलत है। ऐसे बयान सिर्फ सुर्खियों में रहने के लिए दिए जाते हैं। मेरा मानना है कि इन्हें पूरी तरह नजरअंदाज किया जाना चाहिए।

भाजपा एमएलसी श्रीकांत तारा पंडित ने कहा, 'राहुल गांधी इस तरह के नेता नहीं

हैं कि पूरे देश की राजनीति में उनकी किसी से तुलना की जाए। कांग्रेस ने राहुल गांधी को राजनीति में कबड्डी और खो-खो खेलने के लिए भेजा है। वह एक विफल नेता हैं। कांग्रेस के तमाम नेता गांधी परिवार की दहलीज पर मत्था टेकते हुए थम चुके हैं, लेकिन फिर भी पार्टी उन्हें (राहुल गांधी) छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। नाना पटोले के बयान को लेकर शिवसेना नेता शाइना एनसी ने कहा, 'जिस कांग्रेस पार्टी को आस्था, भक्ति, संस्कृति और सभ्यता में विश्वास नहीं है, उस पार्टी के नेता राहुल गांधी की भगवान राम से तुलना की जाती है। कांग्रेस को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है, लेकिन राहुल गांधी वहां नहीं गए। ऐसे में राहुल गांधी की राम से तुलना करने जैसे बयान कांग्रेस नेताओं की चापलूसी को दिखाते हैं। इससे पहले, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने नाना पटोले के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, 'ये लोग कभी राहुल गांधी को 'जन नायक' कहते हैं, जिससे कर्पूरी ठाकुर का अपमान करते हैं। कभी दावा करते हैं कि क्रिसमस सोनिया गांधी की वजह से होता है। अब भगवान राम से राहुल गांधी की तुलना की जा रही है। याद रखना चाहिए कि यह वही लोग हैं, जिन्होंने भगवान राम को काल्पनिक बोला और प्राण प्रतिष्ठा को नाच गाना बताया था।

संत देवेशाचार्य ने देवकीनंदन ठाकुर के बयान का किया समर्थन, कहा - शाहरुख खान का एजेंडा हिंदू विरोधी

अयोध्या। प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा बांग्लादेशी क्रिकेटर को टीम में शामिल करने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अगर यह खिलाड़ी टीम में रखा गया तो केकेआर को इसके लिए बाहर करना पड़ेगा, नहीं तो लोगों द्वारा टीम का बहिष्कार किया जाएगा। उनके इस बयान के बाद विवाद छिड़ गया है।

सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी के संत देवेशाचार्य महाराज ने भी देवकीनंदन ठाकुर के बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'देवकीनंदन ठाकुर ने बिल्कुल सही कहा है। इस समय बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं, उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है, जलाया जा रहा है और भगाया जा रहा है। ऐसे समय में अगर उस देश का खिलाड़ी भारत में खेल रहा है, तो यह स्थिति चिंताजनक है।'

संत देवेशाचार्य ने शाहरुख खान पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'क्या कभी शाहरुख खान ने उन हिंदुओं के लिए भी ट्वीट किया? क्या कभी शाहरुख खान ने उन हिंदुओं के बारे में सोचा जो वहां पर मारे जा रहे हैं, जलाए जा रहे हैं, प्रताड़ित किए जा रहे हैं? कभी नहीं सोचा क्योंकि हमेशा ही इनका हिंदू विरोधी एजेंडा रहा है।

देवेशाचार्य महाराज ने आगे कहा कि पूरे भारत में शाहरुख खान और उनकी टीम के खिलाफ विरोध होना चाहिए। उनके फिल्मों का बहिष्कार किया जाना चाहिए और टीम को भी इस मामले में जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उनका कहना है कि जब भी भारत या हिंदुओं के खिलाफ कोई संकट आता है, शाहरुख खान कभी सामने नहीं आते। ऐसे में देवकीनंदन ठाकुर ने जो कहा, वो सही और समय की जरूरत के अनुसार है।

संत देवेशाचार्य का कहना है कि वर्तमान में बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है, वह बहुत गलत है। इसलिए शाहरुख खान को भी इसकी गंभीरता को समझना चाहिए और किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी को अपनी टीम में खेलने का मौका नहीं देना चाहिए ।

इजरायलः हमास अटैक के दौरान इंटेलिजेंस हेड रहे अमित सार की ब्रेन कैंसर से मौत

तेल अवीव । इजरायल डिफेंस फोर्सेस के शीर्ष खुफिया अफसर रहे अमित सार की गुरुवार को मौत हो गई। सार बहुत तेजतर्रार अधिकारी माने जाते थे। महज 47 साल की उम्र में उनका ब्रेन कैंसर से निधन हो गया।

ब्रिगेडियर जनरल (रिजर्विस्ट) अमित सार, हमास के 7 अक्टूबर, 2023 के हमले के समय सैन्य खुफिया अनुसंधान विभाग के प्रमुख थे। सार ने 2020 के आखिर से विभाग का नेतृत्व किया और तीन साल से ज्यादा समय तक इजरायल के शीर्ष खुफिया इंटेलिजेंस इवैल्यूएटर के तौर पर काम किया।

द यरूशलम पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सार का हाल ही में अमेरिका में इलाज हो रहा था, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हो रहा था। पिछले हफ्ते खुफिया विभाग के वरिष्ठ सदस्य उनसे मिलने गए थे। उनकी मौत से 24 घंटे पहले, उनकी स्थिति काफी बिगड़ गई थी।

हारेत्ज मीडिया हाउस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2023 की शुरुआत में सार ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को दो बार चेतावनी दी थी कि उनकी सरकार के विवादित ज्यूडिशियल ओवरहॉल प्लान (न्यायिक व्यवस्था में सुधार योजना) को लेकर घरेलू तनाव बढ़ रहा है। ये टेंशन ईरान, हिज्बुल्लाह और हमास को इजरायल के खिलाफ कार्रवाई का मौका दे रहा है। हालांकि, उनका एनालिटिकल फोकस ज्यादातर उत्तरी मोर्चे पर रहा, और उन्हें अंदाजा नहीं था कि हमास का हमला इतना भयावह होगा।

सार ने अप्रैल 2024 में मैलिग्नेंट ट्यूमर का इलाज कराने के लिए पद छोड़ दिया था। इससे पहले ही उन्होंने संकेत दिया था कि वह इंटेलिजेंस की नाकामियों के कारण इस्तीफा दे सकते हैं।अफसरों को लिखे विदाई संदेश में, उन्होंने लिखा, 'हम वह नहीं कर पाए जो हमसे उम्मीद की गई थी या जिसकी हम खुद से उम्मीद करते हैं।

उस समय, आईडीएफ ने सार को 'एक काबिल अफसर' बताया था, जिन्होंने इजरायल की सुरक्षा को बनाए रखने में अहम योगदान दिया। उस समय के चीफ ऑफ स्टाफ हर्जी हलेवी ने उनका आभार भी जताया था।

नए साल के संबोधन में पुतिन ने अपने सैनिकों को बताया हीरो, कहा- यूक्रेन युद्ध में जीत हमारी होगी

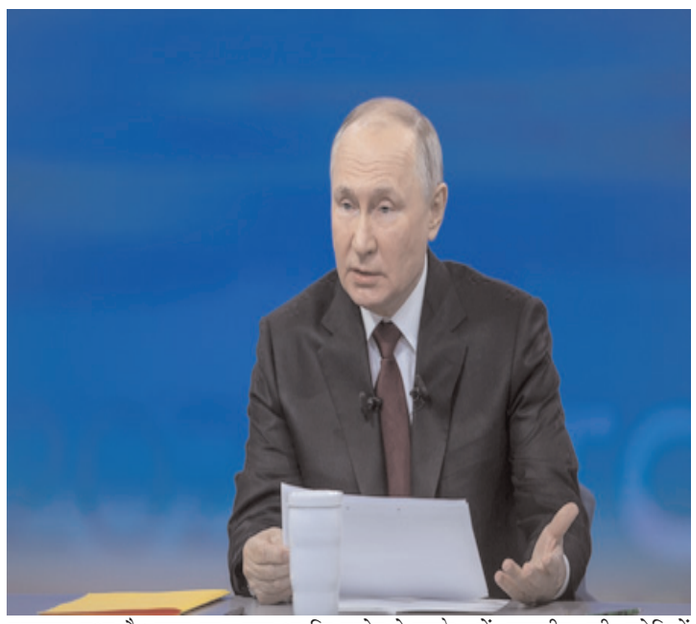

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को मोर्चे पर लड़ रहे अपने सैनिकों से कहा कि रूस को पूरा भरोसा है कि वह यूक्रेन युद्ध में जीत हासिल करेगा। यह युद्ध एक और साल में प्रवेश कर चुका है और इसके खत्म होने के कोई साफ संकेत नहीं दिख रहे हैं।

नए साल के मौके पर दिए गए छोटे से संदेश में पुतिन ने युद्ध में शामिल सैनिकों को देश का नायक बताया। नए साल पर यह संदेश रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र कमचटका से सबसे पहले प्रसारित हुआ। यह जानकारी द मॉस्को टाइम्स की रिपोर्ट में सामने आई।

पुतिन ने अपने सैनिकों और कमांडरों से कहा कि देश को आप पर भरोसा है और जीत हमारी होगी। यह संदेश ऐसे समय प्रसारित किया गया जब रूस एक लंबे और महंगे संघर्ष की पृष्ठभूमि में अपनी मुख्य सार्वजनिक छुट्टी मना रहा था। इस युद्ध में दोनों पक्षों को भारी नुकसान हुआ है। माना जा रहा है कि रूस और यूक्रेन, दोनों तरफ सैन्य हताहतों की संख्या हजारों में है। वहीं, लाखों यूक्रेनी नागरिकों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है।पुतिन ने अपने नए साल के भाषण में अधिकतर समय युद्ध पर ही बात की। उन्होंने उन आरोपों का कोई जिक्र नहीं किया, जिनमें कहा गया था कि यूक्रेन ने उनके एक आवास पर ड्रोन हमला करने की कोशिश की थी। यूक्रेन ने इन आरोपों को साफ तौर पर खारिज किया है।

31 दिसंबर को पुतिन के रूस की सत्ता में आने के 26 साल भी पूरे हो चुके हैं। इधर, कूटनीतिक स्तर पर भी हलचल तेज हुई है। अमेरिका की अगुवाई में हाल के हफ्तों में बातचीत की कोशिशें बढ़ी हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेंस्की के छह जनवरी को फ्रांस में सहयोगी देशों के नेताओं के साथ एक शिखर बैठक में शामिल होने की उम्मीद है। इससे पहले उनकी मुलाकात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फ्लोरिडा में हुई थी।

इन प्रयासों के बावजूद, रूस ने अभी तक यह संकेत नहीं दिया है कि वह अपनी शर्तों में कोई नरमी लाने को तैयार है।यूरोपीय संघ ने बुधवार को रूस पर बातचीत को 'पटरी से उतारने' की कोशिश करने का आरोप लगाया। यह आरोप तब लगा, जब रूस ने कहा कि यूक्रेन ने नोवगोरोद क्षेत्र में स्थित पुतिन के झील किनारे वाले आवास पर हमला करने की कोशिश की थी। यूक्रेन ने इन दावों को मनगढ़ंत बताया है।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें गिराए गए एक ड्रोन को दिखाया गया है। मंत्रालय का दावा है कि यह उन 91 यूक्रेनी ड्रोन में से एक था, जो कथित तौर पर पुतिन से जुड़े एक आवास पर हमले में शामिल थे। यूक्रेन ने इसे झूठ बताया है। वहीं, इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने कहा कि रूस के ये दावे शांति वार्ता से ध्यान भटकाने की जानबूझकर की गई कोशिश हैं।

मैं बदलाव से डरूंगी नहीं, जरूरी सुधार के लिए पूरी ताकत लगा दूंगीः जापान की पीएम ताकाइची

टोक्यो । जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने देशवासियों को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि वो बदलाव को तत्पर हैं। ऐसा करते वक्त वो हिचकिचाएंगी नहीं और आवश्यक सुधारों के लिए पूरी ताकत झोंक देंगी। प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने गुरुवार को अपने नए साल के संदेश में बदलाव से डरे बिना जरूरी सुधारों को आगे बढ़ाने का वादा किया। यह बताते हुए कि नया साल जापान के पिछले शोवा युग की शुरुआत की 100वीं सालगिरह है, ताकाइची ने बेहतर भविष्य की संभावना पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'कल आज से बेहतर होगा, एक तरह की उम्मीद है जो लोगों ने शोवा युग के ज्यादातर समय में भी महसूस की।

उन्होंने आगे कहा, 'जापान और जापानी लोगों की छिपी हुई ताकत और जोश में मजबूत और पक्के विश्वास से, मैं उन लोगों की समझदारी और कोशिशों से सीखना चाहती हूं जो हमसे पहले आए थे, जो शोवा युग के बड़े बदलाव के प्रतीक थे।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'इसके अलावा, मैं बदलाव से नहीं डरूंगी, और जरूरी सुधारों को मजबूती से आगे बढ़ाऊंगी।' ताकाइची ने कहा कि उनका एडमिनिस्ट्रेशन 'सप्लीमेंट्री बजट पास करके जनता से किए गए वादों को पूरा करने में कामयाब रहा है' और 'एक शक्तिशाली इकॉनमी बनाने और मजबूत डिप्लोमेसी और सिक्योरिटी पक्का करने की दिशा में एक खास दिशा तय कर पाया है। उन्होंने माना कि उनके कैबिनेट ने 'अभी अपना काम शुरू ही किया है, और आगे बढ़ते हुए इस एडमिनिस्ट्रेशन को जिन चुनौतियों का सामना करना होगा, वे सच में बहुत बड़ी हैं। 'ताकाइची ने आखिर में कहा, 'मैं नागरिकों से नए साल पर जापानी आइलैंड ग्रुप को शक्ति संपन्न और खुशहाल बनाने का वादा करती हूं। ऐसा करके हमारे देश में उम्मीद का संचार होगा।

यूक्रेन ने पुतिन के आवास पर नहीं किया हमला? सीआईए को नहीं मिले कोई सबूत

नई दिल्ली। रूस की तरफ से दावा किया गया था कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि, इस मामले में अमेरिकी मीडिया ने जानकारी दी है कि सीआईए को इस हमले के कोई निशान नहीं मिले हैं।

मीडिया ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि सीआईए का अनुमान है कि यूक्रेन ने हाल ही में रूस के उत्तर में हुए ड्रोन हमले में राष्ट्रपति पुतिन के घर को टारगेट नहीं बनाया था।

अमेरिकी मीडिया ने सूत्रों के हवाले से कहा कि रैटक्लिफ ने बाद में राष्ट्रपति ट्रंप को बताया कि सीआईए को नहीं लगता कि यह सच है। इसके बाद बुधवार को, ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर न्यूयॉर्क पोस्ट के

एडिटोरियल का लिंक पोस्ट किया, जिसकी हेडलाइन थी, 'पुतिन का 'हमला' दिखाता है कि रूस ही शांति के रास्ते में खड़ा है।

पोस्ट के एडिटोरियल बोर्ड ने कहा कि यह अच्छी बात है कि पुतिन मानते हैं कि उनके आसपास कोई भी हिंसा खास गुस्से की हकदार है और पुतिन पर कोई भी हमला जायज से कहीं ज्यादा है।बोर्ड ने लिखा, ''लेकिन, दिक्कत यह है कि ड्रोन हमला शायद कभी हुआ ही नहीं। जेलेंस्की ने इससे साफ इनकार किया। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूसी कोई सबूत नहीं दे सकते। जेलेंस्की ने मीडिया से कहा कि वे क्रेमलिन की बात मान लें, लेकिन नहीं, हम नहीं मानेंगे।''

रूसी नेता ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन पर इसकी जानकारी दी थी। अधिकारियों ने बताया कि सीआईए के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ ने बुधवार को ट्रंप को इस अंदाजे के बारे में बताया।

रूस ने आरोप लगाया था कि यूक्रेन ने सोमवार को पुतिन के घर पर हमला करने की कोशिश की थी। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने रिपोर्टरों को बताया था कि पुतिन ने उन्हें फोन पर इसके बारे में जानकारी दी थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा था कि वे इस कथित कार्रवाई से परेशान हैं। हालांकि, यूक्रेन ने इस तरह के किसी भी हमले से साफ इनकार किया था।

नए साल के जश्न में स्विट्जरलैंड के बार में धमाका, कई लोगों की मौत और कई घायल

नई दिल्ली । नए साल के मौके पर स्विटजरलैंड से एक दुखद घटना सामने आई है। स्विस पुलिस की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, क्रैन्स मोंटाना के महंगे अल्पाइन स्की रिसॉर्ट शहर के एक बार में धमाका हुआ। इस धमाके में कई लोग मारे गए और कुछ घायल हो गए।

दक्षिण-पश्चिमी स्विट्जरलैंड के वालिस कैंटन में पुलिस प्रवक्ता गेटन लैथियन ने बताया, 'एक धमाका हुआ है जिसका कारण पता नहीं है। कई लोग इसमें मारे गए और कई घायल हो गए।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि धमाका स्थानीय समयानुसार रात करीब 1:30 बजे ले कॉन्स्टेलेशन नाम के एक बार में हुआ। यह बार पर्यटकों के बीच काफी मशहूर है। हादसे के वक्त लोग यहां पर नए साल का जश्न मनाने के लिए जुटे हुए थे।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा, 'माना जा रहा है कि मरने वालों में ज्यादातर पर्यटक हैं, जो छुट्टियों के सीजन में क्रैन्स-मोंटाना आए थे। धमाके के समय बार में सौ से ज्यादा लोग थे। हम अभी अपनी जांच की शुरुआत में हैं। यह एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर स्की रिसॉर्ट है जहां बहुत सारे पर्यटक आते हैं।' स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि आग में कम से कम 40 लोग मारे गए। स्थानीय मीडिया आउटलेट ब्लिक ने बताया कि अधिकारियों ने बचाव और जांच की कोशिशों के चलते क्रांस-मोंटाना के ऊपर नो-फ्लाई जोन भी लगा दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धमाके के समय बार के अंदर 100 से ज्यादा लोग थे। स्विस ब्रॉडकास्टर आरटीएस ने बताया कि धमाका बार के बेसमेंट में हुआ, जिसकी कुल क्षमता लगभग 400 लोगों की है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बड़े पैमाने पर शेयर किए गए वीडियो में घटना के तुरंत बाद बार से धुएं का घना गुबार उठता हुआ दिख रहा है, जो धमाके और उसके बाद लगी आग के पैमाने को दिखाता है।

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, पुलिस ने मरने वालों और घायलों की सही संख्या नहीं बताई, और न ही आग लगने के कारण के बारे में और जानकारी दी। यह इलाका हाई-एंड हॉलिडे रिसॉर्ट्स के लिए जाना जाता है। पुलिस और क्षेत्रीय लोक अभियोजक के साथ अमेरिकी समयानुसार सुबह करीब 10 बजे (ईटी टाइम जोन के हिसाब से सुबह 4 बजे) एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। पीसी में घटना से संबंधित अधिक जानकारी सामने आएगी।अमेरिकी मीडिया ने बताया कि स्विट्जरलैंड की सबसे खास जगहों में से एक, क्रैन्स-मोंटाना अपनी साल भर रहने वाली धूप के लिए मशहूर है। इसकी खास वजह यह है कि क्रैन्स-मोंटाना रोन वैली में दक्षिण की ओर वाले पठार पर स्थित है। यह इलाका समुद्र तल से 1,500 मीटर ऊपर, मैटरहॉर्न से लेकर यूरोप की सबसे ऊंची चोटियों में से एक मोंट ब्लांक तक फैला है। लगभग 15,000 की छोटी आबादी का एक समुदाय यहां रहता है, और यह सेलिब्रिटीज के स्काई डाइविंग, गोल्फ खेलने और खाने-पीने के लिए पसंदीदा और शांत जगहों में से एक माना जाता है।

नए साल पर शेख हसीना का संदेश, बांग्लादेश को 'अंधेरे' से बचाने की जनता से अपीलं

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री और अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना ने गुरुवार को मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर भ्रष्टाचार, झूठ और अपने निहित स्वार्थ के लिए देश को 'अंधेरे' की ओर धकेलने का आरोप लगाया।

अवामी लीग पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनका संदेश साझा किया, जिसमें हसीना ने कहा है कि देश को बर्बाद करने की साजिश करने वालों का राज जनता के सामने फाश हो चुका है।

हसीना ने कहा, 'कामना है कि नया साल बांग्लादेश के सभी लोगों के लिए बहुत ज्यादा सामंजस्य, खुशियां और खुशहाली लेकर आए। यह बीते दिनों के दुख और तकलीफों को मिटा दे, जो गलतियां कीं या जो

कमियां रह गईं उनको दूर करे और सभी के लिए एक यादगार साल बने। यह मेरा ख्वाब है और इस देश के लिए जिंदगी भर संघर्ष करने के बाद दिली ख्वाहिश भी! मैं चाहती हूं यह देश सच में अपने सभी लोगों का हो—चाहे उनका धर्म, रंग, वर्ग, रोजगार या जातीय पहचान कुछ भी हो। उन्होंने आगे कहा, 'प्यारे देशवासियों, देश को बर्बाद करने की साजिश रचने वाले घिनौने चेहरे आपके सामने पहले ही बेनकाब हो चुके हैं। आपने देखा है कि कैसे गैर-कानूनी तरीके से कब्जा करने वालों ने, आपको बंधक बनाकर, बेहिसाब भ्रष्टाचार, झूठ और निजी फायदे के नशे में देश को अंधेरे की ओर धकेल दिया है।

हसीना ने कहा कि बांग्लादेश का नाम खौफ से जुड़ गया है। नतीजतन, 'आज कोई भी देश बांग्लादेश और उसके लोगों का सम्मान नहीं करता।

उन्होंने दावा किया कि विदेशी निवेशकों और दानकर्ताओं में असुरक्षा का भाव है और इस वजह से देश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने कहा, 'देश को अंधेरे की इस यात्रा से बचाने के लिए हम सभी को एक साथ आना होगा।

न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर बने जोहराम ममदानी, कुरान पर शपथ लेकर अमेरिका में लिखा नया इतिहास

न्यूयॉर्क । अमेरिका के डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट जोहरान ममदानी ने गुरुवार सुबह न्यूयॉर्क शहर के 112वें मेयर के तौर पर शपथ ले ली है। ममदानी ने नवंबर 2025 में न्यूयॉर्क के पहले मुस्लिम मेयर के तौर पर जीत हासिल की। अब नए साल के मौके पर उन्होंने अपने पद की शपथ ली है।

हालांकि, शपथग्रहण छोटे तौर पर हुआ, लेकिन शाम में एक पब्लिक सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। अमेरिका के राजनीतिक इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि जब न्यूयॉर्क के मेयर ने कुरान हाथ पर रखकर शपथ ली हो।इसके साथ ही उन्होंने इस हाई-प्रोफाइल पद को संभालने वाले सबसे कम उम्र के मेयर बनकर इतिहास रच दिया है। शपथ लेने के कुछ देर बाद ममदानी ने कहा, 'यह सच में जिंदगी का सम्मान और खुशकिस्मती है।' बता दें, ममदानी का भारत के साथ बेहद गहरा नाता है। नए साल के मौके पर ममदानी ने आधी रात के ठीक बाद एक प्राइवेट सेरेमनी में अपनी पत्नी, कलाकार रमा दुवाजी के साथ न्यूयॉर्क के मेयर पद की शपथ ली। इस दौरान उनके माता-पिता, फिल्म निर्माता मीरा नायर और कोलंबिया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर महमूद ममदानी भी मौजूद रहे।

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, न्यूयॉर्क स्टेट अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने उन्हें शपथ दिलाई। ममदानी जेम्स को राजनीतिक प्रेरणा बताते हैं। ममदानी ने मैनहट्टन में सिटी हॉल पार्क के नीचे पुराने सिटी हॉल सबवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर शपथ ली।ममदानी ने जिस जगह शपथ ली, उसके बारे में अमेरिकी मीडिया ने बताया कि यह जगह 1945 में स्टेशन बंद होने के बाद से बंद पड़ी हुई थी।

अमेरिका ने वेनेजुएला की चार तेल कंपनियों पर कसा शिकंजा, तेल टैंकरों पर भी लगाया बैन

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला की तेल कंपनियों पर नई पाबंदी लगाई है। अमेरिका के वित्त विभाग ने वेनेजुएला की तेल इंडस्ट्री से जुड़ी चार कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। इसके साथ ही इन चारों कंपनियों से जुड़े तेल टैंकरों को बढ़ते बैन की लिस्ट में जोड़ा। अमेरिकी मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार अमेरिका ने वेनेजुएला पर दबाव बनाने के लिए यह कदम उठाया है। अमेरिकी वित्त विभाग के दफ्तर ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि बैन एरीज ग्लोबल इन्वेस्टमेंट एलटीडी, कॉर्नियोला लिमिटेड, क्रेप मर्टल कंपनी एलटीडी और विंकी इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ-साथ उनसे जुड़े जहाजों डेला,

वैलिएंट, नॉर्ड स्टार और रोजालिंड पर लगाया गया है। विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'आज की कार्रवाई इस बात का और इशारा करती है कि वेनेजुएला के तेल व्यापार में शामिल लोगों पर अभी भी बड़े बैन का खतरा बना हुआ है। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक बयान में कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कहा है: हम गैर-कानूनी मादुरो सरकार को तेल एक्सपोर्ट करके फायदा नहीं उठाने देंगे, जबकि वह अमेरिका में जानलेवा ड्रग्स की बाढ़ ला रही है। वित्त विभाग, मादुरो सरकार पर राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव वाले अभियान को लागू करना जारी रखेगा। इसके अलावा, विभाग ने इन जहाजों को वेनेजुएला की सेवा करने वाले गुप्त समुद्री जहाजी बेड़े का हिस्सा बताया। ट्रंप सरकार की तरफ से की गई इस हालिया कार्रवाई से पहले अमेरिका ने इस हफ्ते की शुरुआत में वेनेजुएला और ईरान में मौजूद 10 कंपनियों और लोगों पर बैन लगाया था। अमेरिका का कहना है कि वेनेजुएला और ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन तकनीक का बड़े स्तर पर व्यापार किया था। दूसरी ओर, अमेरिका ने इस इलाके में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने रिसोर्ट में सेलिब्रेट की न्यू ईयर की पार्टी, बताया नए साल का संकल्प

नई दिल्ली, 1 जनवरी (आईएएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो रिसॉर्ट में न्यू ईयर की पार्टी सेलिब्रेट की और नए साल का दिल खोलकर स्वागत किया। इस पार्टी में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के अलावा भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर, कारोबारी फिल रफिन, डोनाल्ड ट्रंप जूनियर, रूडी गिउलिआनी और गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम, एरिक और लारा ट्रंप, अमीराती अरबपति हुसैन सजवानी और

व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ डैन स्कैविनो शामिल हुए। ट्रंप ने मेहमानों को संबोधित किया। इस दौरान जान उनसे नए साल के संकल्प के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब दिया, 'शांति। धरती पर शांति।' हालांकि उन्होंने वेनेजुएला पर हमले में सीआईए की भूमिका या यूक्रेन में सेना भेजने के सवालों का जवाब नहीं दिया। न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप ने मेहमानों का स्वागत काले कारपेट पर किया, जिस पर सुनहरे अक्षरों में 'हैप्पी न्यू ईयर मार ए लागो' लिखा था।

ट्रंप ने कहा, 'मैं बस आपको बताना चाहता हूं कि देश सच में बहुत अच्छा कर रहा है और दुनिया के इतिहास में किसी भी देश से कहीं ज्यादा निवेश अमेरिका में आ रहा है।'

उन्होंने टैरिफ रेवेन्यू पर जोर देते हुए कहा कि अमेरिका ने सैकड़ों मिलियन डॉलर जमा किए हैं और हमने पूरी सेना को 1,776 डॉलर दिए। यह बुरा नहीं है। हम बहुत खुश हैं कि हम एक देश के तौर पर बहुत अच्छा कर रहे हैं। हम वापस आ गए हैं। हम मजबूत हैं। मुझे नहीं लगा था कि यह इतनी तेजी से हो सकता है। यह इतनी तेजी से हो रहा है जितना किसी ने सोचा भी नहीं होगा।

यूएन ने 3.45 बिलियन डॉलर के कम बजट और 19 प्रतिशत नौकरियों में कटौती के साथ की 2026 की शुरुआत

संयुक्त राष्ट। दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय संस्था संयुक्त राष्ट्र इस समय गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रही है। इसी कारण साल 2026 की शुरुआत वह 3.45 अरब डॉलर के कम बजट और 19 प्रतिशत नौकरियों में कटौती के साथ कर रही है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने उस बजट को मंजूरी दी है, जो महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रस्ताव पर आधारित है। हालांकि यह बजट उनके सुझाए गए 3.238 अरब डॉलर से थोड़ा अधिक है।

इस साल का बजट 2025 के 3.72 अरब डॉलर से लगभग 270 मिलियन डॉलर, या 7.25 प्रतिशत कम है। यह बजट केवल संयुक्त राष्ट्र के मुख्य प्रशासनिक कार्यों के लिए है। शांति मिशनों और अन्य संस्थाओं जैसे यूनेस्को और विश्व स्वास्थ्य संगठन के बजट अलग-अलग तय किए जाते हैं।

नियमित बजट में भारत की हिस्सेदारी 1.016 प्रतिशत है। यह हिस्सेदारी सकल राष्ट्रीय आय, जनसंख्या और अन्य कई मानकों के आधार पर तय की जाती है।

इससे पहले, बजट से संबंधित महासभा की पांचवीं समिति को संबोधित करते हुए, सहायक महासचिव चंद्रमौली रामनाथन ने कहा कि खर्च में कटौती के तहत शुक्रवार से 2,900 पद खत्म किए जाएंगे। इसके अलावा करीब 1,000 कर्मचारी स्वेच्छा से सेवा छोड़ने पर सहमत हो चुके हैं।

193 सदस्य देशों के बीच लंबी और कठिन बातचीत के बाद बजट तैयार हुआ। इस प्रक्रिया पर रामनाथन ने कहा कि यह एक असाधारण उपलब्धि है, जिसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, एक दिसंबर तक बकाया राशि 1.586 अरब डॉलर थी। इसमें 2024 के 709 मिलियन डॉलर और 2025 के लिए 877 मिलियन डॉलर शामिल हैं। इसी कारण रामनाथन ने सदस्य देशों से अपील की है कि वे 2026 का बकाया योगदान जल्द से जल्द जमा करें।

बजट को सर्वसम्मति से पारित किए जाने से पहले दो संशोधनों को खारिज कर दिया गया। एक संशोधन रूस की ओर से था, जो सीरिया में मानवाधिकार उल्लंघन की जांच से जुड़ा था। दूसरा संशोधन क्यूबा की ओर से था, जो नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े महासचिव के सलाहकार की भूमिका पर केंद्रित था। भारत ने इन दोनों संशोधनों पर मतदान से दूरी बनाए रखी।

संयुक्त राष्ट्र में सबसे बड़ा योगदान संयुक्त राज्य अमेरिका का है, जिसकी हिस्सेदारी 22 प्रतिशत है। इसके बाद चीन आता है, जिसका योगदान 20 प्रतिशत है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राष्ट्र के मुखर आलोचक रहे हैं। उनके कार्यकाल में अमेरिका ने 2025 के लिए अपनी स्वीकृत राशि अब तक जारी नहीं की, जिससे संगठन की आर्थिक स्थिति और कमजोर हो गई।

संभावनाओं का साल 2026 : क्रिकेट के लिए विश्व स्तर पर निर्णायक साबित हो सकता है नया वर्ष

नई दिल्ली। हर साल की तरह इस बार भी फैंस को क्रिकेट का भरपूर रोमांच देखने के लिए मिलेगा। बीता साल भारतीय क्रिकेट के लिए काफी दिलचस्प रहा और नया साल भी इस मामले में अहम है। साल 2026 के आगमन के साथ टी20 विश्व कप जैसे मेगा इवेंट का काउंटडाउन भी शुरू हो चुका है।

टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत 7 फरवरी से हो रही है। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में 8 मार्च तक खेला जाने वाला ये मेगा इवेंट टी20 विश्व कप का दसवां संस्करण है। यह विश्व कप ऐतिहासिक है और इसकी सफलता क्रिकेट के वैश्विक प्रसार में बड़ी भूमिका निभाएगी। दरअसल, ऐसा पहली बार है जब टी20 विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टी20 विश्व कप 2026 में 20 टीमों को मौका देना आईसीसी की क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर प्रचारित करने की रणनीति का हिस्सा है। मौजूदा समय में करीब 110 देशों में क्रिकेट खेला जाता है। इसमें 12 देश आईसीसी के पूर्ण सदस्य हैं और उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलने की मान्यता मिली है। वहीं 98 एसोसिएट देश हैं।

इस बार विश्व कप में भारत, यूएसए, नामीबिया, नीदरलैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, आयरलैंड, ओमान, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, इटली, नेपाल, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, कनाडा, और यूएई हिस्सा ले रही हैं। सभी 20 टीमों को 5-5 के ग्रुप में 4 ग्रुप में बांटा गया है।

रमन लांबा: स्टाइलिश क्रिकेटर, जो छोटे से करियर में फैंस के चहेते बन गए

नई दिल्ली। रमन लांबा की गिनती भारत के बेहतरीन बल्लेबाज और फील्डर के तौर पर होती थी, जो 1980-90 के दशक में घरेलू क्रिकेट में सक्रिय रहे। अपने छोटे से करियर में इस खिलाड़ी ने न सिर्फ भारत, बल्कि आयरलैंड और बांग्लादेश में भी लोकप्रियता हासिल कर ली थी।

2 जनवरी 1960 को मेरठ में जन्मे रमन लांबा ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम इंडिया में जगह बनाई। भारतीय टीम में भी उनका डेब्यू यादगार रहा, जहां उन्होंने अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध 53 गेंदों में 1 छक्के और 8 चौकों की मदद से 64 रन की पारी खेली थी।

दाएं हाथ के इस आक्रामक शैली के स्टाइलिश बल्लेबाज ने 1989 नेहरू कप में कृष्णमाचारी श्रीकांत के साथ पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतकीय साझेदारियां की थीं।

पाकिस्तान के विरुद्ध दोनों सलामी बल्लेबाजों ने 120 रन जुटाए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की। इन दोनों ही मुकाबलों में रमन लांबा ने 57-57 रन की यादगार पारियां खेली थीं।

रमन लांबा ने साल 1986 में वनडे फॉर्मेट में 10 मैच खेले, जिसमें 32.11 की औसत के साथ 289 रन बनाए। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध राजकोट में 102 रन की पारी भी शामिल रही। अगले साल उन्होंने 11 मुकाबलों में 22 की औसत से 220 रन बनाए। हालांकि, 1988 में उन्हें सिर्फ एक ही वनडे मुकाबला खेलने का मौका मिल सका। साल 1989 में रमन ने 10 मुकाबलों में 29.55 की औसत से 266 रन टीम के खाते में जोड़े। इस दौरान उनके बल्ले से 3 अर्धशतक भी निकले।

रमन लांबा ने अपने छोटे से करियर में भारत की ओर से कुल 32 वनडे खेले, जिसमें 27 की औसत के साथ 783 रन बनाए। इस दौरान 1 शतक और 6 अर्धशतक लगाए। वहीं, 4 टेस्ट की 5 पारियों में उन्होंने 102 रन जुटाए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में रमन लांबा का प्रदर्शन लाजवाब था, जहां उन्होंने 121 मुकाबलों में 53.84 की औसत के साथ 8,776 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 31 शतक और 27 अर्धशतक निकले। वह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लगातार रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जिसमें दो तिहरे शतक शामिल हैं। वहीं, लिस्ट ए क्रिकेट के 82 मुकाबलों में उन्होंने 36.85 की औसत के साथ 2,543 रन टीम के खाते में जुटाए।

जब रमन लांबा को भारतीय टीम में स्थान नहीं मिला, तो उन्होंने आयरलैंड की ओर से खेलना शुरू किया। वह आयरलैंड के क्लब (नॉर्थ डाउन, वुडवेल, क्लिफ्टनविले, आर्डमोर) की तरफ से खेले और अनौपचारिक वनडे मैच में भी इस टीम का प्रतिनिधित्व किया, जहां उनकी मुलाकात किम मिचेल क्रॉथर से हुई, जिनसे उन्होंने शादी रचाई।

रमन लांबा चाहते थे कि वह 45 की उम्र तक दिल्ली के लिए खेलें, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। साल 1998 में बांग्लादेश में एक क्लब मैच खेलने के दौरान फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर फील्डिंग करते समय उन्हें सिर पर गहरी चोट आई, जिसके बाद वह कोमा में चले गए। 22 फरवरी 1998 को इस खिलाड़ी ने दुनिया को अलविदा कह दिया।

बुला चौधरी: 'भारतीय जलपरी', समुद्री जल से एलर्जी के बावजूद इंग्लिश चैनल पार कर रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारत में तैराकी एक पारंपरिक कला के रूप में प्रतिष्ठित है। इसका वर्णन हमारे धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है। आधुनिक समय में तैराकी एक खेल के रूप में प्रतिष्ठित है। एक ऐसा खेल जो स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सबसे बेहतर माना जाता है। तैराकी में भारत की मौजूदा स्थिति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकासशील अवस्था में है। भारतीय महिलाएं भी तेजी से इस विधा में आगे आ रही हैं। भारतीय लड़कियों को तैराकी में आने का साहस जिन महिला तैराकों से मिला है, उनमें बुला चौधुरी का नाम प्रमुख है।

बुला चौधरी का जन्म 2 जनवरी, 1970 को हुगली, पश्चिम बंगाल में हुआ था। महज दो साल की उम्र से ही एक तैराक के रूप में उनकी यात्रा शुरू हो गई थी, तब उनके पिता पहली बार उन्हें हुगली नदी के तट पर ले गए थे। पांच साल की उम्र में, उनका एडमिशन एक स्विमिंग एकेडमी में कराया गया था। नौ साल की उम्र में वह भागीरथी नदी पार कर पहली बार चर्चा में आईं थीं। वह यह नदी पार करने वाली सबसे कम उम्र की तैराक बनी थीं। 1979 में अपनी पहली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उन्होंने छह स्वर्ण पदक जीते थे। 1984 में, बुला चौधरी ने 100 मीटर बटरफ्लाई इवेंट्स में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। 1986 में सियोल में हुए एशियन गेम्स में, बुला ने 100 मीटर और 200 मीटर बटरफ्लाई में रिकॉर्ड तोड़े। 1989 में, 19 साल की उम्र में, वह इंग्लिश चैनल (इंग्लैंड से फ्रांस) तैरने वाली पहली एशियाई महिला बनीं, उन्होंने इसे लगभग 10-11 घंटे में पूरा किया। उन्होंने 1999 में दोबारा यह उपलब्धि हासिल की। बुला ने 1991 में श्रीलंका में आयोजित दक्षिण एशियाई खेल में 50मी, 100मी फ्रीस्टाइल और 100मी, 200 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण पदक जीते थे। बुला चौधुरी ने 1996 में 81 किलोमीटर की मुर्शिदाबाद लॉन्ग डिस्टेंस स्विम जीती। उन्होंने स्ट्रेट ऑफ जिब्राल्टर (2000), टायरहेनियन सी (2001), कैटालिना चैनल (2002), टोरोनियोस गल्फ (2002), कुक स्ट्रेट (2003), पाल्क स्ट्रेट (2004, श्रीलंका से इंडिया तक लगभग 14 घंटे में), और केप टाउन के पास एक चैनल (2005) पार किया। 2005 में, वह पांच महादेश में समुद्री चैनलों को तैरकर पार करने वाली दुनिया की पहली महिला बनीं, जिससे उन्हें 'सात समुद्र' जीतने का नाम मिला।

बुला चौधरी को समुद्री पानी से एलर्जी थी। डॉक्टरों ने कई बार उन्हें तैराकी छोड़ने की सलाह दी, लेकिन डॉक्टरों की सलाह और बुला की शारीरिक कमजोरी उनके दृढ़ संकल्प के सामने कमजोर पड़ गई। समुद्री पानी से एलर्जी के बावजूद उन्होंने जो उपलब्धियां हासिल की, उसके लिए उन्हें 'समुद्रों की रानी' और 'भारतीय जलपरी' के नाम से भी पुकारा गया। तैराकी में बुला चौधरी को उनके योगदान के लिए 1990 में अर्जुन अवॉर्ड, 2002 में तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड और 2009 में पद्मश्री सम्मान दिया गया। तैराकी से संन्यास के बाद उन्होंने राजनीति में भी कदम रखा था। फिलहाल वह युवाओं को तैराकी की कला सिखाती हैं। बुला चौधरी की यात्रा तैराकी में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए प्रेरणादायी है।

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने अरुणाचल प्रदेश अंडर-16 क्रिकेट टीम को नए साल की बधाई दी

सूरत । केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को सूरत एयरपोर्ट पर अरुणाचल प्रदेश अंडर-16 क्रिकेट टीम से मुलाकात की और उन्हें नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

डॉ. मनसुख मांडविया ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट की है। इस वीडियो में वह अरुणाचल प्रदेश के अंडर-16 क्रिकेट खिलाड़ियों से मिलते हुए नजर आ रहे हैं।

वीडियो के साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'अरुणाचल प्रदेश की विजय मर्चेंट ट्रॉफी खेलने आई अंडर-16 टीम से सूरत एयरपोर्ट पर अचानक मुलाकात हुई। उनसे मिलकर हृदय आनंदित हो गया, सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी।

विजय मर्चेंट ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश प्लेट ग्रुप में शामिल रही। अरुणाचल ने 5 मैचों में 2 मैच जीते, जबकि 3 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। इस ग्रुप में जम्मू-कश्मीर, मिजोरम, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मेघालय के रूप में छह टीमें हैं। अंकतालिका में अरुणाचल प्रदेश चौथे नंबर पर है। प्लेट ग्रुप में जम्मू-कश्मीर पहले, मिजोरम दूसरे और सिक्किम तीसरे स्थान पर है। नागालैंड पांचवें और मेघालय छठे स्थान पर है।

अरुणाचल प्रदेश ने सूरत में विजय मर्चेंट ट्रॉफी के दौरान खेले मैचों में मेघालय और नागालैंड के खिलाफ जीत हासिल की, जबकि सिक्किम, मिजोरम और जम्मू-कश्मीर के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी अरुणाचल प्रदेश ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी क्षमता से प्रभावित किया और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जगाई।

विजय मर्चेंट ट्रॉफी बीसीसीआई द्वारा आयोजित अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट है। यह लंबे फॉर्मेट में खेला जाता है। टूर्नामेंट लीग-कम-नॉकआउट फॉर्मेट में होता है, जिसमें टीमें एलीट और प्लेट ग्रुप में विभाजित होती हैं। फाइनल में कभी-कभी पहली पारी में बढ़त के आधार पर विजेता की घोषणा होती है। टूर्नामेंट की शुरुआत युवा क्रिकेटरों को टेस्ट फॉर्मेट के लिए तैयार करने के उद्देश्य से 1972-73 में की गई थी। इस टूर्नामेंट का इतिहास समृद्ध रहा है। महानतम सचिन तेंदुलकर जैसे बल्लेबाज इस टूर्नामेंट की देन हैं।

सिडनी टेस्ट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे उस्मान ख्वाजा, संन्यास की अटकलों पर तोड़ेंगे चुप्पी

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच जारी एशेज सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट 4 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाना है। ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 3-1 से आगे चल रही है। सिडनी टेस्ट से पहले सीनियर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के संन्यास पर अटकलें लगाई जा रही हैं। इस मुद्दे पर सिडनी टेस्ट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ख्वाजा अपनी स्थिति साफ करेंगे। द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, उस्मान ख्वाजा शुक्रवार की सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और अपने टेस्ट भविष्य को लेकर चल रही अफवाहों पर स्थिति स्पष्ट करेंगे। ख्वाजा की प्रेस कॉन्फ्रेंस शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम के ट्रेनिंग सेशन से पहले रखी गई है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइक क्लार्क ने कहा है कि उस्मान ख्वाजा के लिए सिडनी टेस्ट के बाद संन्यास का फैसला उचित होगा। कोड स्पोर्ट्स से बात करते हुए क्लार्क ने कहा कि मुझे लगता है कि यह उस्मान का विदाई टेस्ट मैच होगा। मुझे नहीं लगता कि यह कोई नाम मात्र का चयन है। वह सिडनी टेस्ट के लिए निश्चित रूप से चुने जाएंगे और इस टेस्ट के बाद रिटायर हो जाएंगे। क्लार्क ने कहा कि मै चाहता हूं कि वह सिडनी टेस्ट में शतक बनाए और खुशी से संन्यास ले। ऐसा मौका सभी को नहीं मिलता। उस्मान ख्वाजा के लिए मौजूदा एशेज सीरीज मुश्किल रही है। पहले टेस्ट में असफल रहे ख्वाजा को दूसरे टेस्ट में इंजरी की वजह से बाहर होना पड़ा था। एडिलेड टेस्ट में उन्हें बीमार स्टीव स्मिथ की जगह आखिरी समय में प्लेइंग इलेवन में जगह मिली। मेलबर्न में टीम में उनकी जगह बरकरार रही। सिडनी टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में भी उनका चुना जाना तय है। वह इस सीरीज में 2, 82, 40, 29, और 0 का स्कोर कर सके हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भगवान महाकाल के दर्शन के साथ की साल 2026 की शुरुआत

उज्जैन। साल 2025 में सफलता की नई कहानी लिखने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने नए साल की शुरुआत उज्जैन स्थित भगवान महाकाल के दर्शन के साथ की है। गुरुवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सदस्यों ने महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में भगवान शिव का दर्शन किया और सुबह की भस्म आरती में हिस्सा लिया।

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने वाली खिलाड़ियों में स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, स्नेह राणा, राधा यादव और अरुंधति रेड्डी शामिल थीं। विश्व कप 2025 में चैंपियन बनने वाली भारतीय टीम के सदस्यों ने नए साल की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए भगवान शिव से आशीर्वाद मांगा।

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने अपने सोशल मीडिया पेज एक्स पर महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन की तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दी हैं। तस्वीरों में शेफाली वर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर और स्नेह राणा के साथ पारंपरिक कपड़ों में नजर आ रही हैं। शेफाली ने कैप्शन में लिखा, 'सभी को नया साल मुबारक हो। 2026 शानदार हो। रेणुका सिंह ठाकुर ने भी मंदिर के दर्शन की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'नए साल की शुरुआत आस्था, भक्ति और महादेव के आशीर्वाद के साथ। सभी को 2026 की शुभकामनाएं।

भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले साल महिला विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ अहम मैच से पहले भगवान महाकाल का दर्शन किया था। महिला टीम ने मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर घरेलू विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी। इसके बाद उन्होंने डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला विश्व कप खिताब जीता था।

साल के आखिर में भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को 5 टी20 मैचों की सीरीज में 5-0 से हराया था। 2025 में अपना पहला वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सामने साल 2026 में आयोजित टी20 विश्व कप 2026 मुख्य चुनौती है। महिला टी20 विश्व कप 12 जून से 5 जुलाई 2026 के बीच इंग्लैंड में खेला जाएगा।

शाहरुख फैसला वापस लें', महंत रविंद्र पुरी ने किया केकेआर में मुस्तफिजुर रहमान को लेने का विरोध

लखनऊ। देश में इंडियन प्रीमियर लीग 2026 को लेकर चर्चा तेज है, लेकिन इस बार यह केवल खेल तक सीमित नहीं रह गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को खरीदा जाना विवाद का केंद्र बन गया है। इसको लेकर केकेआर के मालिक और अभिनेता शाहरुख खान का विरोध हो रहा है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने इस मुद्दे पर अपनी राय व्यक्त की। आईएएनएस से बात करते हुए महंत रविंद्र पुरी ने कहा, ''शाहरुख खान को जो भी सम्मान और पहचान मिली है, वह भारत और यहां के लोगों की वजह से है। ऐसे में उन्हें देशवासियों की भावनाओं और राष्ट्रहित का पूरा सम्मान करना चाहिए।''महंत ने आगे कहा, ''देश विरोधी सोच या ऐसे निर्णय, जो देश की भावनाओं के खिलाफ हों, किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इससे हमारी आस्था को ठेस पहुंची है। मैं चाहता हूं कि शाहरुख अपने इस फैसले को वापस लें।''

महंत रविंद्र पुरी के बयान से पहले ही कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। देवकीनंदन ठाकुर ने केकेआर और शाहरुख खान पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी को यहां लाना सही नहीं था।

उन्होंने कहा, ''अगर कोई टीम उसे खरीदती है, तो यह केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं है बल्कि सामाजिक और भावनात्मक संवेदनाओं के खिलाफ है। बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा हो रही है और ऐसे में यह निर्णय संवेदनाओं के अनुरूप नहीं है।''

देवकीनंदन ठाकुर ने चेतावनी दी कि अगर मुस्तफिजुर को टीम से नहीं हटाया गया, तो पूरी केकेआर टीम का बहिष्कार किया जा सकता है। ऐसे खिलाड़ियों को खरीदने से पहले यह सोचना चाहिए था कि इस निर्णय से देशवासियों की भावनाओं पर क्या असर पड़ेगा।

मुस्ताफिजुर रहमान को केकेआर ने 9.20 करोड़ रुपये की बड़ी रकम में खरीदा है। बीसीसीआई ने हालांकि स्पष्ट किया है कि बांग्लादेशी खिलाड़ियों पर रोक लगाने का निर्णय केवल सरकार के आदेश पर ही लिया जाएगा। बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि मुस्तफिजुर टी20 वर्ल्ड कप के लिए वीजा अप्लाई करेंगे और इसके जरिए आईपीएल में उनकी उपलब्धता सुनिश्चित होगी। बता दें कि बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा हत्या कर दी गई थी, जिसे लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय ने चिंता जताई थी। हालांकि बांग्लादेश सरकार ने इसे गुमराह करने वाला बयान करार दिया और आरोप लगाया कि दीपू चंद्र दास एक लिस्टेड अपराधी था।

बीबीएल: बाबर आजम का नाबाद अर्धशतक, सिडनी सिक्सर्स ने मेलबर्न रेनेगेड्स को 6 विकेट से हराया

मेलबर्न। बिग बैश लीग का 18वां मुकाबला मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी सिक्सर्स के बीच गुरुवार को मार्वल स्टेडियम में खेला गया। बाबर आजम के नाबाद अर्धशतक की मदद से सिडनी सिक्सर्स ने मेलबर्न को 6 विकेट से हरा दिया। मेलबर्न रेनेगेड्स ने सिडनी सिक्सर्स को जीत के लिए 165 रन का लक्ष्य दिया था जिसे सिडनी ने 5 गेंद पहले ही हासिल कर लिया।

सिडनी सिक्सर्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेलबर्न रेनेगेड्स ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 164 रन बनाए। मेलबर्न के लिए पारी की शुरुआत करने आए जोश ब्राउन ने 19 गेंद पर 4 छक्कों और 3 चौकों की मदद से सर्वाधिक 43 रन की पारी खेली। इसके अलावा जेक-फ्रेजर-मैकगर्क ने 29 गेंद पर 38 और हसन खान ने 29 गेंद पर 39 रन की पारी खेली। ओलिवर पिक ने 13 रन बनाए।

सिडनी सिक्सर्स की तरफ से सीन एबॉट ने 4 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट लिए। जेक एडवर्ड्स, बेन ड्वारशुईस, और हेडेन केर ने 2-2 विकेट लिए।

165 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी सिडनी सिक्सर्स के लिए बाबर आजम ने नाबाद 58 रन की मैच विजयी पारी खेली। 46 गेंदों की पारी में बाबर ने 4 चौके और 1 छक्का लगाया। बाबर आजम ने पहले विकेट के लिए डेनियल हग्स 30 के साथ 46, मोइजेज हेनरिक 28 के साथ तीसरे विकेट के लिए 42 और जोएल डेविस 34 के साथ नाबाद 51 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। जोएल डेविस की पारी काफी अहम रही। उन्होंने मात्र 15 गेंद पर 2 छक्के और 3 चौकों की मदद से 34 रन की पारी खेली। सिडनी सिक्सर्स ने 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 168 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। मेलबर्न रेनेगेडस की तरफ से गुरिंदर संधु सबसे सफल गेंदबाज रहे। 4 ओवर में 23 रन देकर उन्होंने 2 विकेट लिए। सीन एबॉट को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

2025 में पीएम मोदी की ऐतिहासिक यात्राओं की झलक : भक्ति, कूटनीति, विकास और मानवीय संवेदनाओं का अनूठा संगम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा में साल 2025 भक्ति, कूटनीति, विकास और गहरे मानवीय जुड़ाव का एक शक्तिशाली संगम बनकर सामने आया। 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे निर्णायक अभियानों से लेकर आम लोगों के साथ आत्मीय और भावनात्मक संवाद तक, तथा अयोध्या में ध्वजारोहण उत्सव जैसे सभ्यतागत गौरव से जुड़े ऐतिहासिक क्षणों तक, इस वर्ष की यात्राओं ने भारत की सांस्कृतिक और आत्मिक चेतना को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त किया। कुल मिलाकर, 2025 की यह यात्रा भारत की प्रगति, परंपरा और मानवीय सरोकारों को एक सूत्र में पिरोती नजर आई। साल 2025 की सबसे चर्चित और यादगार तस्वीरें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आधिकारिक वेबसाइट नरेंद्र मोदी डॉट इन पर साझा की गई हैं। इन तस्वीरों के जरिए पूरे साल की वे झलकियां सामने आती हैं, जिन्होंने देश और दुनिया में सुर्खियां बटोरीं। इन तस्वीरों के आधार पर 2025 की उस यात्रा को समेटा गया है, जो भारत की आत्मा और उसके बदलते स्वरूप की कहानी कहती है।

ऐसे ही एक तस्वीर में दिखाया है कैसे 26 अगस्त को अहमदाबाद में रोड शो के दौरान पीएम मोदी को देखकर एक महिला भावुक होकर रो पड़ी। नवंबर महीने के पहले दिन जब पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ के रायपुर का दौरा किया, जो यहां एक खास तस्वीर देखने को मिली। छत्तीसगढ़ के रायपुर में छात्रों के एक समूह ने पीएम मोदी के साथ सेल्फी ली थी।

एक और फोटो सभ्यतागत पुनर्जागरण के नजरिए से प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 25 नवंबर को श्री राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर पवित्र धर्म ध्वज फहराने की है। इस दौरान उन्होंने ध्वजारोहण उत्सव में एकत्र हुए लोगों का अभिवादन किया।

एक फोटो 27 जुलाई की है जब पीएम मोदी ने तमिलनाडु के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में पूजा और दर्शन किए। इस साल, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के दौरान पीएम मोदी ने त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाई। इसके अलावा, पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में श्री भ्रामरांबा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में ध्यान लगाया, दर्शन और पूजा-अर्चना की। इस साल पीएम मोदी ने कर्नाटक के उडुपी में स्थित पवित्र श्री कृष्ण मठ का भी दौरा किया। 25 दिसंबर को पीएम मोदी ने दिल्ली के कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन में क्रिसमस की सुबह की प्रार्थना सभा में भाग लिया। 28 नवंबर को पीएम मोदी ने गोवा में श्री संस्थान गोकर्ण पर्तगाली जीवोत्तम मठ का दौरा किया। यहां उन्होंने श्री संस्थान गोकर्ण पर्तगाली जीवोत्तम मठ के 550वें वर्ष समारोह को संबोधित किया। 15 अगस्त को दिल्ली में 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पीएम मोदी लाल किले पर खास अंदाज में नजर आए थे। प्रधानमंत्री मोदी का बच्चों के साथ खास लगाव रहा है। अक्सर उन्हें बच्चों के बीच देखा गया है। इसी में एक बेहद मनमोहक दृश्य यह रहा कि पीएम मोदी ने एक बच्चे के साथ मजेदार पल साझा किए। वहीं, रक्षा बंधन के अवसर पर नई दिल्ली स्थित 7 लोक कल्याण मार्ग में बच्चों ने अपने प्रधानमंत्री को राखी बांधी थी।

इसी तरह, एक बहुत प्यारा पल वह था, जब बातचीत के दौरान एक बच्ची ने पीएम मोदी को 'नमस्ते' किया। 'परीक्षा पे चर्चा 2025' का भी एक खास पल रहा। पीएम मोदी नई दिल्ली के सुंदर नर्सरी में छात्रों के एक समूह से बातचीत करते हुए नजर आए थे। पीएम मोदी ने रिश्तों को तब और खास बनाया, जब 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर पीएम मोदी की अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बच्चों के साथ प्यारी और आत्मीय बातचीत हुई। इसके अलावा, नई दिल्ली में 7 लोक कल्याण मार्ग पर पीएम मोदी का बछड़े के साथ स्नेह भरा पल भी इस साल देखने को मिला। वहीं, नई दिल्ली में 7 लोक कल्याण मार्ग पर पीएम मोदी ने वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों के साथ फोटो खिंचवाई। कृतज्ञता और विनम्रता का एक खास पल उस समय नजर आया, जब पीएम मोदी ने हरियाणा के रामपाल कश्यप को जूते भेंट किए, जिन्होंने 14 साल पहले यह प्रतिज्ञा की थी कि जब तक मोदी प्रधानमंत्री नहीं बन जाते, तब तक वे जूते-चप्पल नहीं पहनेंगे। कुछ इसी तरह बिहार के गया जी में एक कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने एक दिव्यांगजन से बातचीत की।

पीएम मोदी की इस साल की यात्रा में एक क्षण ऐसा भी था, जब वे बिहार के दरभंगा के दौरे पर बारिश में खुद छाता पकड़े हुए थे। वहीं, जब जम्मू-कश्मीर में पीएम मोदी ने चिनाब ब्रिज के दौरे के दौरान तिरंगा लहराया, तो पूरा देश गर्व कर रहा था। उन्होंने दिल्ली में कृषि कार्यक्रम के दौरान किसानों से भी बातचीत की थी। इसके अलावा, पीएम मोदी ने गुजरात के देदियापाड़ा में भगवान बिरसा मुंडा के परिवार के सदस्य से मुलाकात की।

पीएम मोदी ने देशवासियों का भी खास ख्याल रखा। पूरे साल के दो क्षणों की बात करें तो उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक लाभार्थी को आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किया। पीएम मोदी ने दिल्ली के स्वाभिमान अपार्टमेंट्स का दौरा किया और लाभार्थियों से बातचीत की। पीएम मोदी की विदेश यात्राएं और दूसरे देशों के प्रतिनिधियों के साथ इस साल की मुलाकातें भी खास रही हैं। 11 मार्च को वे मॉरीशस के दौरे पर थे। पोर्ट लुई पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत हुआ। मॉरीशस के पीएम नवीन रामगुलाम ने एयरपोर्ट पर पीएम मोदी की अगवानी की।

झीरम कांड मतलब एक दूसरे पर आरोप लगाओ

राजनीतिक दलों के लिए कई मुद्दे महज एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाने के लिए होते हैं। वह जब भी मौका मिलता है तो उस मुददे को उठाकर एक दूसरे पर आरोप लगाते है, एक दूसरे को दोषी ठहराते हैं। फिर लंबे समय तक उस मुद्दे की ओर दोनों राजनीतिक दल ध्यान नहीं देते हैं।छत्तीसगढ़ में झीरम कांड ऐसा ही मुद्दा है। यह लंबे समय से भाजपा व कांग्रेस के बीच फुटबाल बना हुआ है। कभी मौका मिलने पर भाजपा को कोई राज्य या केंद्र का नेता झीरम मुद्दे को किक मारकर कांग्रेस की तरफ भेज देता है और इसके लिए कांग्रेस को दोषी ठहराने का प्रयास करता है तो जवाब में राज्य के कांग्रेस नेता किक मारकर फिर भाजपा की तरफ भेज देते हैं और झीरम कांड के लिए भाजपा को दोषी ठहराने का प्रयास करते हैं। यह सिलसिला चलता रहता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा यहां आयोजित जनादेश परब में शामिल होने आए थे तो इस दौरान उन्होंने झीरम कांड को लेकर कहा कि कांग्रेस के भीतर ही ऐसे लोग मौजूद थे,जो नक्सलियों के संपर्क में थे। ऐसे लोगों ने ही माओवादियों से अपने लोगों को मरवाने का काम काम किया।जेपी नड्डा के इस आरोप से झीरम कांड को लेकर आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।यह आरोप पत्यारोप कोई नई बात नहीं है।यह तो सच है कि झीरम कांड हुआ है, नक्सलियों ने कांग्रेस के बड़े नेताओं की हत्या की है। सीधी सी बात है कि इसके लिए सीधे तौर पर नक्सली दोषी हैं। भाजपा का कांग्रेस के बीच यह गंभीर मुद्दा सच को सामने लाने की जगह आरोप प्रत्यारोप लगाने का मुद्दा रहा है। यानी

कांग्रेस इस घटना के लिए भाजपा सरकार तो दोषी ठहराने का प्रयास करती है तो भाजपा नेता इसके लिए कांग्रेस के कुछ नेताओं को दोषी ठहराने का प्रयास करती है।

झीरम कांड को हुए कई बरस हो गए हैं लेकिन इसका सच अब तक सामने नही आ सका है तो इसके लिए भाजपा व कांग्रेस दोनों राजनीतिक दल कमोबेश दोषी माने जाते हैं। भाजपा कई साल सत्ता में रही लेकिन उसके सत्ता में रहने के दौरान झीरम कांड का सच सामने नहीं आ सका। तब कांग्रेस नेता भूपेश बघेल भाजपा सरकार पर आरोप लगाया करते थे कि वह झीरम कांड की जांच को लेकर गंभीर नहीं है।कांग्रेस की सरकार बनी और वह पांच साल रही लेकिन इस दौरान कांग्रेस सरकार भी झीरम का सच सामने लाने मे असफल रही। भूपेश बघेल तो एक समय यह कहते थे उनके पास सबूत है लेकिन पांच साल बीत गए वह कोई सबूत सामने नहीं लाए। झीरम कांड जाहिर तौर पर नक्सलियों ने किया है। इसके कई कारण बताए जाते हैं, एक कारण तो सलवा जुडूम भी बताया जाता है, इसके अलावा झीरम कांड के बाद इस बात की भी चर्चा रही कि कांग्रेस के कुछ लोगों ने ही अपने नेताओं को नक्सलियों के जरिए मरवाया है।

झीरम कांड होने के बाद इस बात की खूब चर्चा रही कि तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंद कुमार पटेल का प्रभाव बढ़ रहा था, इससे कांग्रेस के कुछ बड़े नेता खुश नहीं थे।उन्ही नाखुश नेताओं ने नंद कुमार पटेल सहित कई नेताओं को नक्सलियों का उपयोग कर मरवा दिया और सुरक्षा की कमी का आरोप लगा इसके लिए पूरी तरह भाजपा सरकार को दोषी बताने का प्रयास किया गया। नंद कुमार पटेल सहित कई वरिष्ट नेताओं के मारे जाने से कांग्रेस का नेतृत्व करने के लिए कई लोगों को मौका मिला। वह राज्य की राजनीति में अपना महत्व बढ़ाने में सफल रहे।झीरम कांड का सच सामने आता कई लोगों को परेशानी होती, इसलिए भाजपा को हो या कांग्रेस नेताओं ने इस कांड पर रहस्य का पर्दा पड़े रहने दिया। कहने को एनआईए की जांच भी हुई लेकिन इस पर खूब विवाद भी हुआ, आरोप प्रत्यारोप भी हुए लेकिन झीरम कांड का सच आज तक सामने नहीं आया है। साय सरकार के समय बड़े बड़े नक्सली नेताओं के सरेंडर करने से बस्तर से नक्सलियों का सफाया हो रहा है। इस दौरान कई बड़े नक्सली नेता मारे जा चुके हैं, उनमें कई झीरम कांड में शामिल रहे हैं। कई ऐसे नेताओं ने सरेंडर भी किया है जो हो सकता है कि झीरम कांड का सच जानते हों। जो यह बता सकते हैं कि झीरम कांड में कौन कौन शामिल थे, यह कांड नक्सलियों ने खुद बदला लेने के लिए किया था या किसी नेता ने माओवादियों को उपयोग कांग्रेस नेताओं को मरवाने के लिए किया था।झीरम कांड में शामिल लोग तो यह बताने से रहे कि वह इसमें शामिल थे,क्योंकि वह कुछ भी कहेंगे तो वह अपराध स्वीकारने की तरह होगा। इसलिए इस बात की कोई उम्मीद नहीं है कि झीरम कांड के आरोपियों के नाम कभी सामने आएंगे। यानी झीरम कांड का सच शायद की कभी सामने आए क्योंकि सरकारों ने गंभीरता से प्रयास नहीं किया और सरेंडर करने वाले नक्सली किसी को बताने से रहे कि झीरम कांड का सच क्या है।

सेकुलरवाद का बहाना, वोटरों पर निशाना

बिहार में जाति-धर्म की सियासी पिच पर बुरी तरह मात खाने के बावजूद इंडिया गठबंधन का भरोसा इसी पर है। तमिलनाडु में जिस तरह कार्तिगई दीपम परंपरा स्थापित करने का आदेश देने वाले मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश जी आर स्वामीनाथन के खिलाफ गठबंधन ने लामबंदी की है, उससे यही संकेत मिल रहे हैं। डीएमके सांसद कनिमोई की अगुआई में विपक्षी गठबंधन के 120 सांसदों द्वारा स्वामीनाथन के खिलाफ महाभियोग का नोटिस देना गठबंधन की पारंपरिक राजनीति का ही विस्तार है। विपक्षी गठबंधन यह पचा नहीं पा रहा है कि कथित सेकुलर देश में किसी जज ने बहुसंख्यक सनातनी परंपरा स्थापित करने का निर्णय दे दिया है। स्वामीनाथन के फैसले के अनुसार, जहां कार्तिदीपम मनाया जाना है, वहां एक दरगाह भी है। दरगाह और मंदिर साथ हो तो मंदिर की कीमत पर दरगाह की परंपराएं अपने यहां चलती रही हैं। अब तक की शासन व्यवस्था के लिहाज से ऐसे मामलों में मंदिर के पक्ष में फैसला सवालों के घेरे में आता है। स्वामीनाथन ने मदुरै जिले की थिरूपरनकुंद्रम की पहाड़ी की चोटी पर कार्तिगई दीपम की परंपरा को स्थापित करने की मंजूरी दी है, जिसे 1920 के एक विवाद के बंद कर दिया गया था। यह बात और है कि डीएमके की अगुआई वाली तमिलनाडु सरकार ने विवाद की आशंका के बहाने अदालत के फैसले को लागू ही नहीं होने दिया। दिलचस्प है कि अल्पसंख्यक समुदाय ने इसका विरोध भी नहीं किया, बल्कि सरकार ही खुद आगे बढ़कर विवाद की आशंका से भर उठी। राज्य सरकार ने स्वामीनाथन के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील कर दी है। लेकिन इस फैसले के लिए स्वामीनाथन को पचा नहीं पा रही है। उसे लगता है कि अगर उसने जज को सबक नहीं सिखाया तो उसकी सेकुलरवाद के बुनियाद पर टिकी राजनीति में दरार पड़ सकती है। जज को सबक सिखाने और न्यायपालिका पर अंकुश लगाने के डीएमके के इस कदम में सबसे हैरतनाक कदम है, अखिलेश यादव का बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना। लोकसभा अध्यक्ष को महाभियोग प्रस्ताव पेश करते वक्त कनिमोई के साथ कांग्रेसी नेताओं और अखिलेश की मौजूदगी के संकेत गहरे हैं। दरअसल महागठबंधन के दल अल्पसंख्यक समुदाय को यह संकेत देने की कोशिश में हैं कि सिर्फ और सिर्फ इंडिया गठबंधन ही उसके हितों के लिए किसी जज को भी सूली पर चढ़ा सकता है। महागठबंधन की कोशिश कुछ महीने बाद होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए राज्य की करीब छह फीसद अल्पसंख्यक आबादी को लुभाना भी है। वैसे देखा जाए तो राज्य की सात करोड़ 21 लाख की आबादी में अल्पसंख्यकों की जनसंख्या महज 42 लाख तीस हजार ही है। ब्राह्मणवाद की बुनियाद पर उभरी डीएमके की राजनीति में अल्पसंख्यकवाद पिछड़ी जातियों को लुभाने का भी मंत्र रहा है। राज्य की अधिसंख्य पिछड़ी आबादी को भी लुभाने की इस बहाने की कोशिश हो रही है। इसीलिए कार्तिगई दीपम की परंपरा को रोकने में डीएमके को कोई हिचक नहीं हुई।

इस पूरे मसले पर चर्चा से पहले जानना जरूरी है कि कार्तिगई दीपम त्योहार है क्या? दक्षिम के दीप पर्व के रूप में विख्यात कार्तिगई दीपम भगवान मुरूगन के सम्मान में तमिल महीने में दीप जलाने की परंपरा है। शिव और पार्वती के बड़े पुत्र कार्तिकेय तमिलनाडु में मुरूगन और सुब्रह्मण्यम के नाम से भी जाने जाते हैं। मदुरै जिले की जिस थिरुपरनकुंद्रम की पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम मनाने का आदेश अदालत ने दिया, वह भगवान मुरूगन की छह पवित्र जगहों में से एक है। मान्यता है कि ब्रह्मा और विष्णु के बीच विवाद को सुलझाने के लिए शिवजी स्वयं अनंत अग्निस्तंभ के रूप में प्रकट हुए थे। उसी दीप स्तंभ की स्मृति स्वरूप उचिपिल्लायर मंदिर के पास प्राचीन दीपाथुन नामक स्तंभ के नजदीक महादीपक जलाया जाता है। थिरूपरनकुंद्रम की पहाड़ी पर भी इसकी परंपरा रही। लेकिन बाद में वहां मंदिर के नजदीक ही एक दरगाह स्थापित हो गई। दरगाह के बाद सेकुलरवाद को बढ़ावा देना जरूरी था, लिहाजा दीपम की परंपरा अधिकारियों ने रोक दी। जिसे शुरू करने को लेकर अदालती हस्तक्षेप की मांग की गई। पहले मदुरै की जिला अदालत में मामला चला और बाद में मद्रास हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जिसकी सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन ने पहाड़ी पर दीप जलाने की परंपरा शुरू करने का आदेश दिया। इसके बाद पहाड़ी पर तीन दिसंबर को दीप जलाने श्रद्धालुओं का जमावड़ा होने लगा। लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। राज्य की स्टालिन सरकार का कहना था कि इससे खून-खराबा हो सकता है। जबकि अल्पसंख्यकों की ओर से ऐसी कोई कोशिश या बयानबाजी भी नहीं हुई थी। बहरहाल, डीएमके सरकार के इस फैसले ने राज्य में पैर जमाने की कोशिश में बैठी बीजेपी को मुद्दा दे दिया। पार्टी का कहना है कि डीएमके सेक्युलरिज्म की बात करती तो है, लेकिन उसके निशाने पर सिर्फ़ हिंदू समुदाय ही रहता है। बीजेपी का आरोप है कि डीएमके ने कभी किसी गैर हिंदू परंपरा, दरगाह या आदि पर कभी कोई सवाल नहीं खड़ा किया। बीजेपी पूछ रही है कि आखिर राज्य के हिंदुओं ने कौन सी गलती की है कि उन्हें दीप जलाने के अधिकार के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है।

डीएमके की पूर्ववर्ती जस्टिस पार्टी की स्थापना 1916 में हुई थी। उसका घोषित उद्देश्य एनी बेसेंट की अगुआई वाले होम रूल लीग आंदोलन का विरोध था। जस्टिस पार्टी का मानना था कि अगर होमरूल आंदोलन सफल हुआ तो तमिलनाडु में जारी ब्राह्मणवाद की वजह से ब्राह्मण अधिकारियों की तादाद बढ़ जाएगी। एक तरह से कह सकते हैं कि जस्टिस पार्टी की स्थापना ब्राह्मणवाद के विरोध के लिए हुई थी। कालांतर में उसकी ब्राह्मणवाद विरोध की राजनीति बढ़ते-बढ़ते ब्राह्मण विरोध पर केंद्रित हो गई। बाद में उसके विरोध के दायरे में हिंदी और पूरी सनातन परंपरा समा गई। यही वजह है कि स्टालिन कुनबे को हिंदुत्व की कटु आलोचना से कभी परहेज नहीं रहता। अहर्निश हिंदी विरोध और अब कार्तिगई दीपम का विरोध इसी परंपरा का विस्तार है।

विपक्षी गठबंधन को इन दिनों संविधान बचाने की बहुत चिंता है। 'संविधान खतरे में है' की आवाज बुलंद करने वाले विपक्षी गठबंधन के दलों की नजर में न्याय वही है, जो उनके नैरेटिव के हिसाब से हो, अन्यथा वह सेकुलरवाद का विरोध है। राममंदिर पर सर्वोच्च न्यायाल के फैसले को ये दल अब भी दिल से स्वीकार नहीं कर पाए हैं। इंदिरा गांधी के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चुनावी कदाचार के आरोप में रायबरेली का निर्वाचन खारिज कर दिया था

यह तो आजादी के बाद से चली आ रही परंपरा है

देश में लोकतंत्र है और लोकतंत्र में चुनाव सबसे ज्यादा अहम होते हैं। यानी लोकतंत्र है तो समय पर चुनाव होने चाहिए। इसलिए देश व राज्यों में हर पांच साल में चुनाव होते हैं।चुनाव राजनीतिक दल लड़ते हैं और कई दलों में जनता किसी एक दल को सत्ता सौंपती है यानी जनहित व राज्य हित व देश हित के काम करने के लिए जनता एक राजनीतिक दल को चुनती है। राजनीतिक दलों को चुनाव लड़ने के लिए पैसों की जरूरत होती है। इसके अलावा राज्य व देश में राजनीतिक दल को चलाने के लिए पैसों की जरूरत होती है। इसके लिए आजादी के बाद से व्यवस्था यही है कि राजनीतिक दलों को दान दिया जाए। दान बड़े बड़े औद्योगिक घराने देते है। इसके अलावा पार्टी सदस्यता सहित कई तरह से पार्टी का फंड जुटाया जाता है। सब जानते हैं कि इसके लिए जायज से लेकर नाजायज तरीके काम में लाए जाते हैं।

भाजपा ने चंदे की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए इलेक्टोरल बांड की व्यवस्था की थी। पुरानी व्यवस्था से यह व्यवस्था ठीक मानी गई लेकिन इसके लिए बनाई गई योजना को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की तो उसके बाद से पुरानी व्यवस्था से ही राजनीतिक दलों को चंदा मिल रहा है या दान मिल रहा है। राजनीतिक दलों के मिले दान व चंदा के आंकड़े सामने आए तो इस बात की खूब चर्चा हो रही है कि ट्रस्टों की ओर से राजनीतिक दलों को दान की गई कुल धनराशि का 3112 करोड़ यानी 82 प्रतिशत से अधिक धन भाजपा को मिला है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 24-25 में 9 चुनावी ट्रस्टों ने राजनीतिक दलों को 3811 करोड़ रुपए दान किया है।इसका 82 प्रतिशत भाजपा को मिला है,299 करोड़ रुपए यानी आठ प्रतिशत कांग्रेस को मिला है और बाकी राजनीतिक दलों को 400 करोड़ यानी 10 प्रतिशत मिला है।

राष्ट्रीय दलों में प्रमुख भाजपा व कांग्रेस हैं। जो भी राष्ट्रीय दल होते हैं, उनको क्षेत्रीय दलों की तुलना में औद्योगिक घरानों से ज्यादा दान मिलता है। प्रमुख राष्ट्रीय दलों में जो केंद्र में सत्ता में होता है और राज्यों में सत्ता में होता है, उनको राजनीतिक घरानों से स्वाभाविक रूप से दान ज्यादा मिलता है। यह परंपरा तो कांग्रेस के समय से चली आ रही है। जब कांग्रेस केंद्र व ज्यादातर राज्यों मे सत्ता में रहती थी तो उसको सबसे ज्यादा दान औद्योगिक घरानों से मिला करता था। तब भाजपा को कांग्रेस से कम दान मिला करता था क्योंकि वह न केंद्र में न ही राज्य में सत्ता में थी।तब भाजपा इस बात की शिकायत नहीं करती थी कि कांग्रेस को ज्यादा चंदा मिलता है, हमको कम मिलता है। ऐसे में तो हम चुनाव कैसे जीत सकते हैं।भाजपा ने अपने आपको को कांग्रेस के विकल्प के रूप में पेश किया, मोदी के नेतृत्व में केंद्र व राज्यों में चुनाव जीते उसके बाद औद्योगिक घरानों ने उसे चंदा देना शुरू किया। और आज सबसे ज्यादा दान उसे मिल रहा है तो इसलिए मिल रहा है कि वह सत्ता में है। वह चुनाव जीतती है।

रामलीला मैदान में वोटचोरी के मुद्दे पर हुई रैली में राहुल गांधी,कांग्रेस अध्यक्ष खरगे इस बात की शिकायत करते रहे कि चुनाव में सबके लिए बराबरी का मौका नहीं होता है तो यह स्थिति कोई मोदी सरकार के आने के बाद नहीं बनी है। जो भी सत्ता में रहता है, उसके बाद संसाधन ज्यादा होते हैं। जब कांग्रेस सत्ता में थी तो उसके पास सबसे ज्यादा पैसा व संसाधन होते थे और वह चुनाव जीतती थी। पैसा होने से राजनीतिक दल हर तरह से मजबूत होता है, पैसा न होने पर राजनीतिक दल हर तरह से मजबूत नहीं होता है। यह भारतीय राजनीति की कड़वी सच्चाई है। राजनीतिक दलों के लिए आर्थिक रूप से मजबूत होना चुनाव जीतने के लिए जरूरी होता है, इसलिए हर राजनीतिक चुनाव पांच साल में जरूर जीतना चाहता है। चुनाव जीतने पर ही राजनीतिक दल आर्थिक रूप से मजबूत होता है। जो दल चुनाव नही जीता पाता है, वह हर तरह से कमजोर होता जाता है।

चुनाव जिताने की जिम्मेदारी राजनीतिक नेतृत्व की होती है। यदि वह एक चुनाव नहीं जिता पाता है तो उसके लिए दूसरा चुनाव जीतना बहुत जरूरी होता है क्योंकि चुनावी हार का राजनीतिक दल पर कई तरह से बुरा प्रभाव पड़ता है। यदि राजनीतिक नेतृत्व दूसरी बार भी चुनाव नहीं जीता पाता है तो नेता पार्टी छोड़कर जाने लगते हैं, दान देने वाले दान देना कम करने लगते हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में तो कांग्रेस तीन चुनाव हार गई है और कई राज्यों में चुनाव कांग्रेस हारती जा रही है। ऐसे में दान कम मिलने से स्वाभाविक है कि कांग्रेस आर्थिक रूप से कमजोर हो रही है तो इसके लिए मोदी सरकार दोषी नहीं है। इसके लिए राहुल गांधी दोषी है जो चुनाव जीत नहीं पा रहे हैं। चुनाव क्यों हार रहे हैं, इस और वह ध्यान नहीं देते है ऐसे में वह चुनाव कैसे जीत सकते हैं। चुनाव जीतने के लिए जरूरी है कि नेता को पता तो रहना चाहिए कि वह क्यों चुनाव हार रहे हैं, जनता उस पर भरोसा क्यों नहीं कर रही है।

एसयूवी की मांग से 2025 में चमका भारत का ऑटो उद्योग, ऑडी, रेनो समेत इन कंपनियों ने दर्ज की रिकॉर्ड बिक्री

नई दिल्ली । भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग साल 2025 के अंत में मजबूत स्थिति में रहा और 2026 की शुरुआत आत्मविश्वास के साथ की, जिसमें कई दिग्गज कंपनियों ने अच्छी बिक्री और तेजी दर्ज की।

साल 2025 में बाजार की स्थितियां बदलती रहीं, लेकिन साल की दूसरी छमाही में ग्राहकों की मांग बढ़ी। इसकी वजह नई गाड़ियों की लॉन्चिंग, त्योहारी सीजन में खरीदारी और लोगों का बढ़ता भरोसा रहा। लग्जरी कार कंपनी ऑडी इंडिया ने 2025 में 4,510 गाड़ियों की खुदरा बिक्री की। एसयूवी, तेज रफ्तार वाली कारों और महंगी गाड़ियों की लगातार मांग से कंपनी को फायदा हुआ। ऑडी क्यू7, क्यू8, आरएस क्यू8 परफॉर्मेंस और एस5 स्पोर्टबैक जैसी गाड़ियों को ग्राहकों ने काफी पसंद किया। वहीं, ऑडी क्यू3, ए4, ए6 और क्यू5 जैसे मॉडल भी लगातार बिकते रहे।

कंपनी ने बताया कि जीएसटी में सुधार और त्योहारों के दौरान अच्छी बिक्री से ग्राहकों का उत्साह बढ़ा। आगे की योजना के बारे में ऑडी इंडिया ने कहा कि वह 2026 में नई गाड़ियां लॉन्च करने, ग्राहकों से बेहतर जुड़ाव और लोगों पर ध्यान देने वाली योजनाओं पर काम करेगी।

रेनॉल्ट इंडिया ने भी 2025 की दूसरी छमाही में शानदार वापसी की, जिसमें कंपनी की बिक्री में सालाना आधार पर 18.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। तीसरी तिमाही से बिक्री में तेजी आई और चौथी तिमाही में यह बढ़त 27 प्रतिशत से ज्यादा हो गई। दिसंबर 2025 रेनॉल्ट के लिए सबसे अच्छे महीनों में से एक रहा, जब बिक्री 33.4 प्रतिशत बढ़कर 3,845 यूनिट तक पहुंच गई।

वहीं, स्कोडा ऑटो इंडिया के लिए 2025 अब तक का सबसे सफल साल रहा। इसी साल कंपनी ने भारत में अपने 25 साल पूरे किए। स्कोडा ने 72,665 गाड़ियों की बिक्री की, जो 2024 की तुलना में दोगुनी से भी ज्यादा है और इसमें 107 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। किआ इंडिया ने 2025 में कुल 2,80,286 गाड़ियों की थोक बिक्री की, जो पिछले साल की तुलना में 15 प्रतिशत ज्यादा है।

देश में बढ़ती बिजली खपत के बीच अदाणी ग्रुप ने ग्रीन एनर्जी पर फोकस बढ़ाया

अहमदाबाद । अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने दिसंबर में गुजरात के कच्छ रण का दौरा किया। यह देश के सबसे महत्वाकांक्षी रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट की साइट है। यह यात्रा केवल प्रतीकात्मक नहीं थी, बल्कि इसने पैमाने, गति और क्रियान्वयन पर केंद्रित रणनीति को सुदृढ़ किया है।

भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। साथ ही, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी होने के कारण बिजली की मांग में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। वित्त वर्ष 25 में अधिकतम ऊर्जा की मांग करीब 250 गीगावाट थी, जो कि वित्त वर्ष 2032 तक 388 गीगावाट तक पहुंच जाने की उम्मीद है।

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के मुताबिक, भारत की ऊर्जा खपत अगले 30 वर्षों में वैश्विक औसत के मुकाबले 1.5 गुना तेजी से बढ़ेगी। ऊर्जा मांग में 2030 तक 25 से 35 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है।

ग्रिड को कार्बनमुक्त करते हुए इस मांग को पूरा करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को तेजी से और विश्वसनीय रूप से विस्तारित करने की आवश्यकता होगी।

इस बदलाव में निजी क्षेत्र की भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। सरकारी नीति और स्वीकृतियों ने ढांचा तैयार किया। क्रियान्वयन निजी उद्यमों द्वारा किया गया। दक्षता, पूंजी, तकनीकी विशेषज्ञता और परियोजना प्रबंधन ने नवीकरणीय ऊर्जा के विकास की गति को बढ़ाया है। बड़े विकासकर्ताओं ने नीतिगत महत्वाकांक्षा को परिचालन क्षमता में परिवर्तित किया है।

कच्छ का विशाल रण इसी मॉडल का उदाहरण है। गौतम अदाणी द्वारा देखी गई इस जगह पर एक नवीकरणीय ऊर्जा पार्क स्थापित किया जाना है, जिसमें लगभग 20 गीगावाट पवन और सौर ऊर्जा उत्पन्न करने की क्षमता होगी। ऊर्जा की अत्यधिक खपत करने वाली अर्थव्यवस्था में, इतनी बड़ी क्षमता क्रांतिकारी साबित हो सकती है। उद्योग विशेषज्ञ बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्कों को कार्बन उत्सर्जन कम करने का सबसे कारगर तरीका मानते हैं। दरें प्रतिस्पर्धी बनी हुई हैं। विशाल शुष्क भूमि, तेज हवा के गलियारे और उच्च सौर विकिरण वैश्विक मानकों के अनुसार ऐसी परियोजनाओं को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य बनाते हैं।

इस महत्वाकांक्षा को पूंजी का समर्थन प्राप्त है। अदाणी समूह ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने के लिए पांच वर्षों में 75 अरब डॉलर तक के निवेश का वादा किया है। ऐसे समय में जब वैश्विक पूंजी अधिक चुनिंदा होती जा रही है, इस तरह की दीर्घकालिक प्रतिबद्धताएं न केवल नवीकरणीय ऊर्जा में, बल्कि भारत की बढ़ती मांग और नीतिगत स्थिरता में भी विश्वास का संकेत देती हैं।

2025 में, भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में अब तक की सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि दर्ज की। नवंबर तक, 44 गीगावाट से अधिक क्षमता जोड़ी जा चुकी थी। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी गति है। नई स्थापनाओं में सौर और पवन ऊर्जा का दबदबा रहा। कुल स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़कर लगभग 254 गीगावाट हो गई। नीति निर्माताओं और उद्योग जगत दोनों के लिए संदेश स्पष्ट है। नवीकरणीय ऊर्जा अब हाशिए पर नहीं है, बल्कि भारत की विद्युत प्रणाली का केंद्र बिंदु है।

अदाणी समूह की रणनीति इस राष्ट्रीय प्रगति के अनुरूप है। 9 दिसंबर को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में बोलते हुए, अदाणी ने बताया कि भारत ने अपनी स्थापित विद्युत क्षमता का 50 प्रतिशत से अधिक गैर-जीवाश्म ईंधन से प्राप्त करने का मील का पत्थर पार कर लिया है। यह उपलब्धि 2030 के पेरिस समझौते की समय सीमा से पांच साल पहले हासिल की गई। वैश्विक स्तर पर प्रति व्यक्ति उत्सर्जन सबसे कम होने के कारण, भारत के लिए चुनौती विकास नहीं है, बल्कि स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा है।

क्रियान्वयन ही सफलता का मूल मंत्र है। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के माध्यम से समूह ने दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो में से एक का निर्माण किया है। 2016 में इस क्षेत्र में प्रवेश करने के एक दशक से भी कम समय में, परिचालन क्षमता 17 गीगावॉट से अधिक हो गई है। एजीईएल अब भारत की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी है। यह वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 कंपनियों में शुमार है। वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में, इसने 2.4 गीगावॉट क्षमता का विस्तार किया। यह किसी भी उद्योग कंपनी द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा विस्तार है। कंपनी पूरे वर्ष में 5 गीगावॉट क्षमता जोड़ने की राह पर है और इसका दीर्घकालिक लक्ष्य 2030 तक 50 गीगावॉट है।

भारत में शहरीकरण, डिजिटलीकरण और औद्योगिक विकास के साथ बिजली की मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है, ऐसे में ये मॉडल आवश्यक हैं। गौतम अदाणी की दिसंबर में कच्छ के विशाल रण की यात्रा ने इस महत्वाकांक्षा को स्पष्ट रूप से दर्शाया। नमक के मैदानों और हवाओं के बीच, इसने एक ऐसे भविष्य को प्रतिबिंबित किया जिसका निर्माण निर्णायक रूप से और व्यापक स्तर पर किया जा रहा है।

हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी एक्ट 2025 एक फरवरी से लागू होगा, वित्त मंत्रालय ने जारी किया नोटिफिकेशन

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी कर कहा है कि हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी एक्ट 2025 एक फरवरी 2026 से लागू हो जाएगा। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा पर होने वाले खर्च के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है। यह बिल दोनों सदनों में पहले ही पारित हो चुका है।

इस एक्ट के तहत गुटखा, पान मासला और अन्य तंबाकू उत्पादों पर भारी-भरकस टैक्स लगाया जाएगा। इस एक्ट की खास बात यह है कि इसमें टैक्स उत्पादन की वास्तविक मात्रा पर नहीं, बल्कि मशीन की उत्पादन क्षमता के आधार पर वसूला जाएगा।

नोटिफिकेशन में बताया गया कि इसमें पैकिंग मशीनों की सहायता से निर्मित और पाउच में पैक किए गए चबाने वाले तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू और गुटखा को निर्दिष्ट किया गया है, जिन पर मशीन की क्षमता और खुदरा विक्रय मूल्य के आधार पर शुल्क का भुगतान करना आवश्यक है।

आगे कहा गया कि पैकिंग मशीनों की संख्या और क्षमता के आधार पर मासिक देय शुल्क का भुगतान हर महीने की 6 तारीख को करना होगा।

सरकार ने बताया कि तंबाकू उत्पादों पर जीएसटी दरों का पुनर्गठन करते हुए, अनुसूची VII (28 प्रतिशत) से कुछ वस्तुओं को अनुसूची II (18 प्रतिशत) और अनुसूची III (40 प्रतिशत) में स्थानांतरित किया गया है। अनुसूची VII (28 प्रतिशत स्लैब) को पूरी तरह से हटा दिया गया है।

सरकार ने बताया कि तंबाकू उत्पादों (चबाने वाला तंबाकू, फिल्टर खैनी, जर्दा सुगंधित तंबाकू, गुटखा) के लिए एक नई मूल्यांकन प्रणाली शुरू की गई है, जिसके तहत पैकेज पर घोषित खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) के आधार पर जीएसटी मूल्य निर्धारित किया जाएगा।

मंत्रालय के मुताबिक, हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी एक्ट 2025 लागू होने के साथ ही तंबाकू और उससे जुड़े उत्पादों पर नया टैक्स सिस्टम लागू हो जाएगा। इससे तंबाकू उत्पादों पर कंपनसेशन सेस भी समाप्त हो जाएगा।

नई प्रणाली से तंबाकू और इससे जुड़े उत्पादों पर टैक्स में इजाफा हो सकता है।

भारत-मालदीव का द्विपक्षीय व्यापार बीते 8 वर्षों में तीन गुना बढ़ा

नई दिल्ली । भारत और मालदीव का द्विपक्षीय व्यापार बीते आठ वर्षों में तीन गुना बढ़ा है।

इस दौरान भारत का निर्यात दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 680 मिलियन डॉलर पर पहुंच गया है, जबकि मालदीव से आयात 20 गुना बढ़कर 119 मिलियन डॉलर हो गया है।

बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटक मालदीव घूमने जाते हैं और इससे बीते कुछ वर्षों में दोनों देशों की एक-दूसरे पर निर्भरता काफी बढ़ी है। मालदीव इनसाइट समाचार पोर्टल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार,हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा के बाद भारत-मालदीव संबंधों में एक नया मोड़ आया है, जिसके दौरान आठ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

इन समझौतों में ऋण राहत भी शामिल है, जिससे मालदीव पर वार्षिक ऋण चुकौती का बोझ 40 प्रतिशत तक कम हो जाएगा। इसमें बुनियादी ढांचे के लिए 565 मिलियन डॉलर की क्रेडिट लाइन, यूपीआई-रुपे एकीकरण, मत्स्य पालन सहयोग, आवास परियोजनाएं, सुरक्षा सहायता, जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपाय और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और निवेश संधि वार्ता को आगे बढ़ाना भी शामिल है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत द्वारा निर्यात की जाने वाली वस्तुएं, जिनमें पेट्रोलियम उत्पाद, दवाइयां और चावल, फल और सब्जियां जैसे खाद्य पदार्थ शामिल हैं, मालदीव के लिए आर्थिक रूप से आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त, भारत द्वारा निर्यात की जाने वाली मशीनरी, विद्युत उपकरण और परिवहन वाहन मालदीव में उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मूल्य के हिसाब से भले ही मालदीव से आयात कम हो, लेकिन इसका रणनीतिक और आर्थिक महत्व है। भारत मुख्य रूप से मछली और समुद्री उत्पाद आयात करता है।

लेख में कहा गया है कि पर्यटन भारत और मालदीव के बीच सबसे प्रत्यक्ष और गतिशील सेतु है। इसमें बताया गया है कि मालदीव में पर्यटकों के आगमन के मामले में भारत लगातार शीर्ष देशों में शुमार रहा है, जिससे पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को स्थिरता और मजबूती मिलती है, खासकर तब जब यूरोप या पूर्वी एशिया से आने वाले पर्यटकों की संख्या में उतार-चढ़ाव होता है।

लेख में यह भी कहा गया है कि भारत-मालदीव संबंध बुनियादी पड़ोसी संबंधों से विकसित होकर एक परिपक्व, बहुआयामी साझेदारी में तब्दील हो गए हैं, जो विश्वास, विकास और साझा दृष्टिकोण पर आधारित है।

लेख में आगे कहा गया है कि प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते और द्विपक्षीय निवेश संधि के साथ भारत-मालदीव संबंधों का भविष्य और भी व्यापक होने की ओर अग्रसर है, जिनसे आर्थिक सहयोग मजबूत होने और निजी निवेश प्रवाह में वृद्धि होने की उम्मीद है।

बीएसएनएल ने देश भर में वाई-फाई कॉलिंग सेवा शुरू की

नई दिल्ली। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने गुरुवार को देश भर में वॉइस ओवर वाई-फाई (वोवाईफाई) सेवा शुरू करने की घोषणा की, जिसे वाई-फाई कॉलिंग के रूप में भी जाना जाता है।

यह उन्नत सेवा अब देश के प्रत्येक टेलीकॉम सर्कल में बीएसएनएल के सभी ग्राहकों के लिए उपलब्ध है, जो चुनौतीपूर्ण वातावरण में भी निर्बाध और उच्च गुणवत्ता वाली कनेक्टिविटी सुनिश्चित करती है।

वोवाईफाई ग्राहकों को वाई-फाई नेटवर्क के माध्यम से वॉयस कॉल करने और संदेश भेजने या प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। यह घरों, कार्यालयों, बेसमेंट और दूरदराज के स्थानों जैसे कमजोर मोबाइल सिग्नल वाले क्षेत्रों में स्पष्ट और विश्वसनीय संचार सुनिश्चित करता है। वोवाईफाई एक IMS-आधारित सेवा है जो वाई-फाई और मोबाइल नेटवर्क के बीच बिना किसी रुकावट के कॉल ट्रांसफर (हैंडओवर) का समर्थन करती है।

खास बात यह है कि ये कॉल ग्राहक के मौजूदा मोबाइल नंबर और फोन के सामान्य डायलर का उपयोग करके ही की जाती हैं, जिसके लिए किसी भी थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन की आवश्यकता नहीं होती है।

यह सेवा विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में फायदेमंद है जहां मोबाइल कवरेज सीमित हो सकता है, बशर्ते वहां बीएसएनएल भारत फाइबर या अन्य ब्रॉडबैंड सेवाओं के माध्यम से एक स्थिर वाई-फाई कनेक्शन उपलब्ध हो।

इसके अलावा, वोवाईफाई नेटवर्क की भीड़भाड़ को कम करने में भी मदद करता है और यह सेवा पूरी तरह से मुफ्त है, यानी वाई-फाई कॉल के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

डिजिटल भुगतान में भारत की बड़ी छलांग, दिसंबर में यूपीआई ट्रांजैक्शन में हुई 29 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी

नई दिल्ली । बीते दिसंबर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से होने वाले ट्रांजैक्शन में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में यूपीआई के जरिए 21.63 अरब ट्रांजैक्शन हुए, जो पिछले साल की तुलना में 29 प्रतिशत ज्यादा हैं। वहीं, ट्रांजैक्शन की कुल राशि भी 20 प्रतिशत बढ़कर 27.97 लाख करोड़ रुपए हो गई।

महीने के हिसाब से भी यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या और रकम में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई। दिसंबर में रोजाना औसतन 90,217 करोड़ रुपए का ट्रांजैक्शन हुआ, जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 87,721 करोड़ रुपए था।

दिसंबर में रोजाना औसतन 698 मिलियन (करीब 69.8 करोड़) यूपीआई ट्रांजैक्शन हुए, जो नवंबर के 682 मिलियन से ज्यादा हैं। नवंबर महीने में यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या 20.47 अरब रही थी, जो सालाना आधार पर 32 प्रतिशत की बढ़त थी। उस महीने लेन-देन की कुल राशि 26.32 लाख करोड़ रुपए रही थी, जिसमें 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी।

इसी दौरान, इंस्टेंट मनी ट्रांसफर सिस्टम (आईएमपीएस) के जरिए दिसंबर में कुल 6.62 लाख करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ। यह पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत ज्यादा है और नवंबर के 6.15 लाख करोड़ रुपए से भी अधिक है।

आईएमपीएस के जरिए दिसंबर में 380 मिलियन ट्रांजैक्शन हुए, जबकि नवंबर में यह संख्या 369 मिलियन थी। वहीं रोजाना आईएमपीएस से होने वाला ट्रांजैक्शन 21,269 करोड़ रुपए रहा, जो नवंबर में 20,506 करोड़ रुपए था। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 70.9 करोड़ सक्रिय यूपीआई क्यूआर कोड हैं, जो जुलाई 2024 के बाद से 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाते हैं। किराना दुकानों, मेडिकल स्टोर, बस-अड्डों, रेलवे स्टेशनों और गांवों तक क्यूआर कोड की सुविधा पहुंच जाने से अब स्कैन करके भुगतान करना पूरे देश में आम हो गया है।

रिपोर्ट में बताया गया कि व्यक्ति से दुकानदार (पी2एम) वाले लेन-देन, व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) लेन-देन से ज्यादा रहे। इसका मतलब है कि लोग रोजमर्रा की खरीदारी में यूपीआई का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं।

पी2एम ट्रांजैक्शन 35 प्रतिशत बढ़कर अब 37.46 अरब हो गए, जबकि पी2पी ट्रांजैक्शन 29 प्रतिशत बढ़कर 21.65 अरब हो गए। औसतन हर ट्रांजैक्शन की राशि 1,262 रुपए हो गई, जो पहले 1,363 थी। इससे पता चलता है कि लोग अब छोटे-छोटे भुगतानों जैसे यात्रा, खाना, दवा और स्थानीय खरीदारी के लिए यूपीआई का ज्यादा उपयोग कर रहे हैं।

खास बात यह है कि भारत की डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) ने लोगों को आसानी से डिजिटल सेवाओं से जोड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है। इससे शहर और गांव के बीच की दूरी कम हुई है और भारत दुनिया में एक मजबूत डिजिटल देश बनकर उभरा है।

नए साल की शुरुआत में लगा महंगाई का झटका, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 111 रुपए हुआ महंगा

नई दिल्ली । साल 2026 की शुरुआत के साथ ही आम लोगों और कारोबारियों को महंगाई का झटका लगा है। सरकार ने 1 जनवरी 2026 से एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि यह बढ़ोतरी केवल 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर पर लागू की गई है। घरेलू रसोई गैस सिलेंडर (14.2 किलो) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

तेल विपणन कंपनियों ने नए साल के मौके पर कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 111 रुपए की बढ़ोतरी की है, जो लगभग 7 प्रतिशत के बराबर है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल गैस सिलेंडर अब 1,691.50 रुपए में मिल रहा है, जो कि जून 2025 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है।

इंडियन ऑयल की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, अलग-अलग शहरों में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम तय किए गए हैं। नोएडा में इसकी कीमत 1691 रुपए, लखनऊ में 1814 रुपए, भोपाल में 1696 रुपए और गुरुग्राम में 1708.50 रुपए हो गई है, जबकि पटना में यह सिलेंडर अब 1953.50 रुपए में उपलब्ध होगा।

दिसंबर 2025 में दिल्ली में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1,580.50 रुपए थी। इससे पहले दिसंबर में 10 रुपए और नवंबर में 5 रुपए की मामूली कटौती भी की गई थी। अब नए साल की शुरुआत में कीमतें बढ़ने से होटल और रेस्टोरेंट कारोबार पर दबाव बढ़ सकता है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल होटल, रेस्तरां, ढाबों और अन्य गैर-घरेलू कार्यों में किया जाता है। ऐसे में इसकी कीमत बढ़ने से खाने-पीने के कारोबार की लागत बढ़ने और इसका असर उपभोक्ताओं पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। तेल कंपनियों के अनुसार दिल्ली के अलावा अन्य प्रमुख मेट्रो शहरों में भी कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में लगभग इसी तरह की बढ़ोतरी की गई है। वहीं 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 8 अप्रैल 2025 के बाद से अब तक कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे आम घरेलू उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत मिली हुई है। एलपीजी सिलेंडर के दामों पर कई कारणों का असर पड़ता है। इसका कैलकुलेशन मुख्य रूप से इम्पोर्ट पैरिटी प्राइस (आईपीपी) के आधार पर किया जाता है। इसमें वैश्विक बाजार में गैस की कीमत, डॉलर और रुपए के बीच विनिमय दर, परिवहन खर्च, बीमा और टैक्स जैसी लागतें शामिल होती हैं।

देश में जल्द चलेगी बुलेट ट्रेन, अश्विनी वैष्णव बोले- टिकट खरीद लीजिए

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे के इतिहास में जल्द ही एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रेल मंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि 15 अगस्त 2027 को देश को पहली बुलेट ट्रेन मिल जाएगी।

अश्विनी वैष्णव ने मजाकिया लहजे में कहा कि आप अभी से बुलेट ट्रेन की टिकट खरीद लीजिए, अगले साल बुलेट ट्रेन भी आ जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि परियोजना को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए सरकार पूरी गंभीरता से काम कर रही है।

रेल मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की पूरी टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन पूरा हो गया है। इसका पहला रूट गुवाहाटी-कोलकाता प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले दिनों में इस रूट पर पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह रेलवे के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है।

वैष्णव ने आगे कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन यात्रियों को लंबी दूरी की रात की यात्राओं पर वर्ल्ड-क्लास सुविधाएं, सुरक्षा और एक आधुनिक यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी।

पिछले साल नवंबर में ही प्रधानमंत्री मोदी ने अपने गुजरात दौरे के दौरान मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति का भी जायजा लिया था। इसके लिए पीएम मोदी सूरत बुलेट ट्रेन स्टेशन पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने काम में लगे इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत भी की थी।

इससे जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें पीएम मोदी सूरत स्टेशन पर काम की बारीकी से जांच करते हुए नजर आए। इस दौरान उन्होंने इंजीनियरों और कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने पूछा कि काम में किसी तरह की परेशानी तो नहीं आ रही है और प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए किस तरह से काम किए जा रहे हैं? इस दौरान कर्मचारियों ने बताया कि हर स्तर पर पूरी मेहनत और बारीकी के साथ काम किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी कर्मचारियों की मेहनत की सराहना की और कहा कि यह प्रोजेक्ट न सिर्फ गुजरात बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। हाई-स्पीड ट्रेन परियोजना देश के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को आधुनिक बनाने में एक अहम कदम है और इससे यात्रियों को तेज और सुविधाजनक सफर मिलेगा।

अमेरिका में जेनेरिक दवाओं को लेकर बहस: भारत-चीन से आयात पर यों जताई गई चिंता

अमेरिका के एक सीनेटर ने भारत और चीन समेत दूसरे देशों में बनी जेनेरिक दवाओं पर बढ़ती निर्भरता को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सीनेटर रिक स्कॉट का कहना है कि भारत और चीन से आने वाली जेनेरिक दवाओं पर बढ़ती निर्भरता अमेरिकी परिवारों के लिए खतरा बन सकती है।

सीनेटर रिक स्कॉट ने विदेशी जेनेरिक दवाओं पर निर्भरता को अमेरिका की स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बतायासीनेट की स्पेशल कमेटी ऑन एजिंग के अध्यक्ष सीनेटर रिक स्कॉट ने बुधवार (स्थानीय समय) को कहा कि अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली जेनेरिक दवाओं और उनके कच्चे रसायनों का बड़ा हिस्सा विदेशों में बनता है। यह स्थिति न सिर्फ सार्वजनिक स्वास्थ्य बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है।

रिक स्कॉट ने विदेशी जेनेरिक दवाओं के इंग्रीडिएंट्स में पारदर्शिता और अमेरिकी दवा आपूर्ति की कमजोरियों पर जोर दिया रिक स्कॉट ने कहा, 'जो भी अमेरिकी दूसरे देशों में बनी जेनेरिक दवाओं पर निर्भर है, उसे अपनी दवाओं में छिपे इंग्रीडिएंट्स के बारे में जानने का हक है।' उनकी समिति अमेरिका की दवा आपूर्ति शृंखला में मौजूद कमजोरियों को उजागर करने के लिए एक बार फिर सक्रिय हुई है। सीनेटर स्कॉट इस मुद्दे पर समिति की वरिष्ठ सदस्य सीनेटर किर्स्टन गिलिब्रैंड के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इसके तहत कई जांच, सुनवाई और सरकारी एजेंसियों और उद्योग जगत के साथ संवाद किए गए हैं।

सीनेटर स्कॉट के अनुसार अमेरिका की जेनेरिक दवाओं के 80% एपीआई विदेशों से, असुरक्षित फैक्ट्रियों में बनते हैं

सीनेटर स्कॉट के अनुसार, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली जेनेरिक दवाओं में लगभग 80 प्रतिशत एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) विदेशों से आते हैं। इनमें से कई दवाएं असुरक्षित और गंदी फैक्ट्रियों में तैयार की जाती हैं, जहां निरीक्षण बहुत कम होता है। कुछ मामलों में इन दवाओं से गंभीर स्वास्थ्य नुकसान होता है।

स्कॉट ने चेताया कि विदेशी निर्भरता से स्वास्थ्य जोखिम बढ़ते हैं और चीन आपूर्ति रोककर अमेरिका को संकट में डाल सकता है

उन्होंने कहा, 'ये दवाएं लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकती हैं। इसके अलावा, विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता एक रणनीतिक कमजोरी भी है।' स्कॉट ने चेतावनी दी कि चीन किसी भी समय दवाओं की आपूर्ति रोक सकता है, जिससे बुजुर्गों, सेना के जवानों और आम अमेरिकियों को जरूरी दवाएं नहीं मिल पाएंगी।

स्कॉट ने कहा कि एफडीए विदेशी इकाइयों की तुलना में घरेलू दवा इकाइयों का अधिक निरीक्षण करता है और विदेशी उल्लंघनों पर अक्सर छूट दी जाती है

उन्होंने यह भी कहा कि भले ही विदेशी फैक्ट्रियों में कुछ अचानक निरीक्षण किए जा रहे हों, लेकिन अमेरिकी एफडीए अमेरिका के बाहर स्थित दवा इकाइयों की तुलना में देश के भीतर कहीं ज्यादा निरीक्षण करता है। कई बार विदेशी कंपनियों को नियमों के उल्लंघन पर भी छूट दे दी जाती है ताकि सप्लाई चेन बाधित न हो।

रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में दवा उत्पादन घटा, 37% दवाएं बनीं, आइबुप्रोफेन- पैरासिटामोल- पेनिसिलिन अधिकांश चीन से आती

समिति की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका में दवाओं का घरेलू उत्पादन तेजी से घटा है। वर्ष 2024 में अमेरिका ने अपनी जरूरत की सिर्फ 37 प्रतिशत दवाएं खुद बनाईं, जबकि 2002 में यह आंकड़ा 83 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाले 95 प्रतिशत आइबुप्रोफेन, 70 प्रतिशत पैरासिटामोल और 45 प्रतिशत से अधिक पेनिसिलिन चीन से आते हैं।

दुनियाभर के 90 प्रतिशत एंटीबायोटिक एपीआई चीन में बनते हैं; अमेरिकी जेनेरिक दवाओं में भारत की भूमिका अहम है, लेकिन एपीआई के लिए वह भी चीन पर निर्भर है

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि दुनियाभर में एंटीबायोटिक दवाओं में इस्तेमाल होने वाले लगभग 90 प्रतिशत एपीआई चीन में बनते हैं। वहीं, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली शीर्ष 100 जेनेरिक दवाओं में से 83 प्रतिशत के एपीआई का कोई भी स्रोत अमेरिका में नहीं है। भारत की भूमिका भी इस आपूर्ति शृंखला में अहम है। अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली लगभग 50 प्रतिशत जेनेरिक दवाएं भारत से आती हैं, लेकिन भारतीय कंपनियां भी अपने लगभग 80 प्रतिशत एपीआई के लिए चीन पर निर्भर हैं।

सीनेटर स्कॉट ने कहा कि अमेरिकियों को अपनी दवाओं की सुरक्षा और उपलब्धता को लेकर 'जुआ खेलने' के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए

समिति ने 2025 के एक अध्ययन का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि भारत में बनी जेनेरिक दवाओं से जुड़े गंभीर दुष्प्रभाव अमेरिका में बनी समान दवाओं की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक पाए गए। इन दुष्प्रभावों में स्थायी विकलांगता या मौत जैसे जोखिम शामिल हैं। सीनेटर स्कॉट ने कहा कि अमेरिकियों को अपनी दवाओं की सुरक्षा और उपलब्धता को लेकर 'जुआ खेलने' के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने दवा प्रणाली में भरोसा बहाल करने के लिए तत्काल सुधारों की मांग की।

ध्यान देने वाली बात है कि भारत और चीन आज भी वैश्विक जेनेरिक दवा उद्योग के बड़े केंद्र हैं और अमेरिका सहित दुनिया भर में सस्ती दवाओं की आपूर्ति करते हैं

समिति की रिपोर्ट में कई सुझाव दिए गए हैं, जिनमें जरूरी दवाओं के लिए अमेरिकी निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने वाला फेडरल बायर मार्केट बनाना, दवा आपूर्ति शृंखला की मैपिंग, दवाओं के मूल देश की जानकारी अनिवार्य करना, व्यापारिक जांच जैसे सेक्शन 232 का इस्तेमाल, 'मेड इन अमेरिका' लेबल के दुरुपयोग को रोकना और अमेरिकी बायोटेक्नोलॉजी को बढ़ावा देना शामिल है। ध्यान देने वाली बात है कि भारत और चीन आज भी वैश्विक जेनेरिक दवा उद्योग के बड़े केंद्र हैं और अमेरिका सहित दुनिया भर में सस्ती दवाओं की आपूर्ति करते हैं।

ग्रीन टी से अल्जाइमर पर दोहरा प्रहार, मोहाली के वैज्ञानिकों की अहम खोज

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि मोहाली के इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईएनएसटी) के वैज्ञानिकों ने अल्जाइमर रोग (एडी) के इलाज के लिए नैनोपार्टिकल्स से जुड़ा एक नया तरीका खोजा है।

यह दवा बीमारी को धीमा कर सकती है, याददाश्त बेहतर कर सकती है, और सोचने-समझने की क्षमता में मदद कर सकती है

यह दवा बीमारी को धीमा कर सकती है, याददाश्त बेहतर कर सकती है, और सोचने-समझने की क्षमता में मदद कर सकती है। अल्जाइमर एक जटिल बीमारी है। इसमें दिमाग में प्रोटीन के गुच्छे बनते हैं, सूजन होती है, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ता है और दिमाग की कोशिकाएं मरने लगती हैं। पुरानी दवाएं सिर्फ एक समस्या को ठीक करती हैं, इसलिए पूरा फायदा नहीं होता पुरानी दवाएं सिर्फ एक समस्या को ठीक करती हैं, इसलिए पूरा फायदा नहीं होता। नई थेरेपी में तीन चीजों को मिलाकर छोटे कण बनाए गए हैं: ग्रीन टी का एंटीऑक्सीडेंट (ईजीसीजी), दिमाग का केमिकल डोपामाइन (ईडीटीएनपी) और एमिनो एसिड ट्रिप्टोफैन।

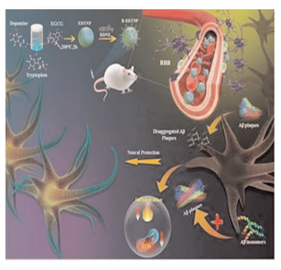

यह दवा कई काम करती है, दिमाग में हानिकारक प्रोटीन के गुच्छों को तोड़ती है, फिर सूजन कम करती है और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस घटाती है इन कणों को और बेहतर बनाने के लिए बीडीएनएफ नाम का प्रोटीन जोड़ा गया है, जो दिमाग की कोशिकाओं को बढ़ने और जीवित रहने में मदद करता है। यह दवा एक साथ कई काम करती है। ये दिमाग में हानिकारक प्रोटीन के गुच्छों को तोड़ती है, फिर सूजन कम करती है और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस घटाती है। जो दिमाग की कोशिकाओं को बचाती है और नई बनाने में मदद करती है। डॉ. पांडा की टीम ने बीडीएनएफ-ईडीटीएनपी आधारित ड्यूल-एक्शन नैनोप्लेटफॉर्म विकसित किया, जो न्यूरोटॉक्सिक एमीलोइड बीटा साफ करता है

डॉ. जीवन ज्योति पांडा के नेतृत्व वाली टीम (आईएनएसटी, डीएसटी का स्वायत्त संस्थान) ने यह शोध किया है। पांडा ने बताया, 'ब्रेन-डिराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर (बीडीएनएफ) जो न्यूरॉन्स के जीवित रहने, बढ़ने और काम करने के लिए जरूरी एक प्रोटीन है को ईडीटीएनपी पर मिलाने से (बी-ईडीटीएनपी) एक ड्यूल-एक्शन नैनोप्लेटफॉर्म बनता है जो न केवल न्यूरोटॉक्सिक एमीलोइड बीटा एग्रीगेट्स (प्रोटीन के गुच्छे जो न्यूरल फंक्शन पर नकारात्मक असर डालते हैं) को साफ करता है, बल्कि न्यूरॉन रीजेनरेशन (फिर से बनने) में भी मदद करता है। लैब और चूहों पर दवा सफल रही, कंप्यूटर सिमुलेशन ने हानिकारक प्रोटीन तोड़ने की पुष्टि की लैब टेस्ट और चूहों पर परीक्षण में यह दवा सफल रही। कंप्यूटर सिमुलेशन से भी पता चला कि ये कण हानिकारक

फेफड़ों के कैंसर की जल्द पहचान में मदद करेगा नया ब्लड टेस्ट

ब्रिटेन के शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक नया और उन्नत ब्लड टेस्ट विकसित किया है, जिससे फेफड़ों के कैंसर (लंग कैंसर) की पहचान और उसकी निगरानी रियल टाइम में की जा सकेगी। इससे बीमारी की पहचान में होने वाली देरी कम होगी और मरीजों के इलाज के नतीजे बेहतर हो सकेंगे।

शोधकर्ताओं ने फूरियर ट्रांसफॉर्म इंफ्रारेड (स्न्ञ्ज-ढ्ढक्र) माइक्रोस्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीक का उपयोग करते हुए मरीज के खून में मौजूद लंग कैंसर की एक अकेली कोशिका तक की पहचान कर ली।

यह तकनीक उन्नत इंफ्रारेड स्कैनिंग तकनीक और कंप्यूटर विश्लेषण को मिलाकर काम करती है। इसमें कैंसर कोशिकाओं की खास रासायनिक पहचान (केमिकल फिंगरप्रिंट) पर ध्यान दिया जाता है। यह जानकारी यूनिवर्सिटी

हॉस्पिटल्स ऑफ नॉर्थ मिडलैंड्स ह्र॥स ट्रस्ट (॥ह्रू), कील यूनिवर्सिटी और लफबरो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दी।अध्ययन के प्रमुख लेखक और ॥ह्रू में ऑन्कोलॉजी के एसोसिएट स्पेशलिस्ट प्रोफेसर जोसेप सुले-सुसो ने कहा कि यह तरीका मरीजों को जल्दी जांच, व्यक्तिगत इलाज और कम इनवेसिव प्रक्रियाओं में मदद कर सकता है। भविष्य में इसे लंग कैंसर के अलावा अन्य कई प्रकार के कैंसर में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

शोध के अनुसार, सर्कुलेटिंग ट्यूमर सेल्स (ष्टञ्जष्ट्य) वे कैंसर कोशिकाएं होती हैं, जो ट्यूमर से अलग होकर खून के जरिए शरीर में घूमती हैं। ये कोशिकाएं यह समझने में मदद करती हैं कि बीमारी किस तरह आगे बढ़ रही है और इलाज कितना असरदार है। यही कोशिकाएं कैंसर के फैलने (मेटास्टेसिस) का कारण भी बन सकती हैं। वर्तमान में ष्टञ्जष्ट्य की पहचान के तरीके जटिल, महंगे और समय लेने वाले होते हैं। कई बार ये तरीके कैंसर कोशिकाओं को पहचानने में असफल भी हो जाते हैं, क्योंकि खून में घूमते समय ये कोशिकाएं अपनी विशेषताएं बदल लेती हैं।नई तकनीक में खून के सैंपल पर इंफ्रारेड किरणें डाली जाती हैं, जो टीवी रिमोट की रोशनी जैसी होती हैं, लेकिन कहीं ज्यादा शक्तिशाली होती हैं। अलग-अलग रसायन इंफ्रारेड रोशनी को अलग तरीके से अवशोषित करते हैं और ष्टञ्जष्ट्य का एक खास अवशोषण पैटर्न होता है, जिसे उनका केमिकल फिंगरप्रिंट कहा जाता है। कंप्यूटर के जरिए इस डेटा का विश्लेषण कर यह जल्दी पता लगाया जा सकता है कि खून में कैंसर कोशिकाएं मौजूद हैं या नहीं।

संक्रमण सुप्त कैंसर कोशिकाओं को जगा सकते हैं

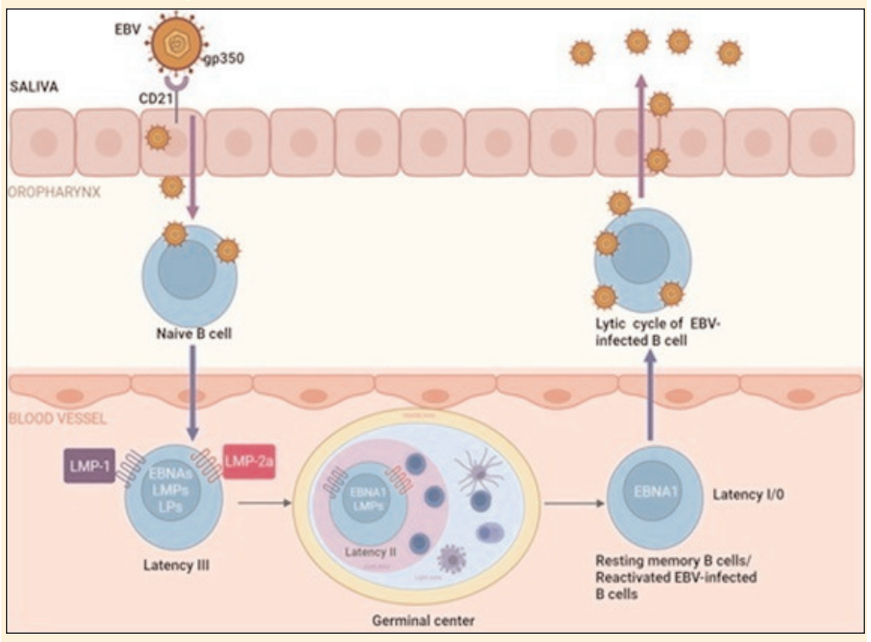

चूहों पर हुए एक अध्ययन के अनुसार कोविड-19 और फ्लू जैसे संक्रमण 'सुप्त' कैंसर कोशिकाओं को सक्रिय कर सकते हैं। नेचर में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, ऐसे संक्रमण कुछ मरीज़ों में कैंसर से मौत का खतरा लगभग दुगना कर सकते हैं।

दरअसल, कैंसर के इलाज में मुख्य ट्यूमर हटा देने के बाद भी कुछ कैंसर कोशिकाएं अस्थिमज्जा या फेफड़ों जैसी जगहों में छिपी रह सकती हैं। इन्हें सुप्त कैंसर कोशिकाएं कहते हैं, जो सालों तक निष्क्रिय रहती हैं लेकिन मौका मिलने पर मेटास्टेसिस यानी कैंसर फैलने की वजह बन सकती हैं।

लेकिन इनके जागने का कारण क्या है? पूर्व अध्ययनों में पाया गया था कि धूम्रपान, उम्र बढ़ना या कुछ बीमारियों से होने वाला जीर्ण शोथ इसका कारण हो सकते हैं। लेकिन कोलोराडो युनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के जेम्स डीग्रेगरी और उनकी टीम को लगा कि शायद सांस के संक्रमण से होने वाले गंभीर शोथ का भी इसमें हाथ हो सकता है। इसे परखने के लिए उन्होंने चूहों को इस तरह तैयार किया कि उनमें स्तन कैंसर ट्यूमर बनें और फेफड़ों में सुप्त कैंसर कोशिकाएं मौजूद रहें। फिर इन चूहों को या तो स्त्रक्र-ष्टशङ्क-2 (कोविड-19 वायरस) या इन्फ्लुएंज़ा (फ्लू) वायरस से संक्रमित किया। नतीजे चौंकाने वाले थे। शोधकर्ताओं ने पाया कि संक्रमण के कुछ ही दिनों में सोई हुई कैंसर कोशिकाएं तेज़ी से बढ़ने लगीं और फेफड़ों में मेटास्टेटिक घाव बनने लगे। इसका कारण सिर्फ वायरस नहीं, बल्कि इंटरल्यूकिन-6 (ढ्ढरु-6) नाम का एक प्रतिरक्षा अणु था, जो संक्रमण से लड़ने में अहम भूमिका निभाता है।

जब वैज्ञानिकों ने ऐसे चूहों पर प्रयोग किया जिनमें ढ्ढरु-6 नहीं था, तो कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि काफी धीमी रही। इससे साबित हुआ कि ढ्ढरु-6 इस प्रक्रिया का मुख्य कारक है। एक और चौंकाने वाली बात यह निकली कि हेल्पर ञ्ज कोशिकाएं, जो आम तौर पर बीमारियों से बचाव करती हैं, वे इन कैंसर कोशिकाओं को प्रतिरक्षा प्रणाली के हमले से बचा रही थीं।

इन निष्कर्षों के बाद वैज्ञानिकों ने यूके बायोबैंक का डैटा देखा और पाया कि जिन लोगों को कोविड-19 हुआ था, उनमें कैंसर से मरने का खतरा उन लोगों की तुलना में लगभग दुगना था जिन्हें कोविड नहीं हुआ। इसके अलावा यह खतरा संक्रमण के बाद शुरुआती कुछ महीनों में सबसे ज़्यादा था।

वैसे तो ये निष्कर्ष शुरुआती हैं और अभी और अधिक अनुसंधान की ज़रूरत है। लेकिन चीज़ें और स्पष्ट होने तक संक्रमण से एहतियात बरतना ही बेहतर होगा।

चींटियों ने खेती लाखों साल पहले शुरू की थी

खेती-किसानी की बात निकलते ही हम सबको गांवों मे हल-बैल लेकर फसल उगाते किसान नज़र आते हैं। लेकिन आश्चर्य की बात है कि नन्हीं चींटियों ने खेती करना करीब पौने तीन करोड़ साल पहले शुरू कर दिया था।

आजकल सैकड़ों चींटी प्रजातियां फफूंद की खेती करती हैं। ये चींटियां पौधों की पत्तियां कुतरती हैं और उन्हें अपनी बांबी में ले जाती हैं और ताज़ी हरी पत्तियां फफूंदों को खिलाती हैं। जहां इन फफूंदों को रखा जाता है, उन प्रकोष्ठों के वातावरण को भलीभांति नियंत्रित रखा जाता है। चींटियां फिर इन फफूंदों का भक्षण करती हैं। चींटियों के उद्विकास के अध्ययन से संकेत मिलता है कि चींटी-फफूंद का यह सम्बंध करोड़ों वर्ष पुराना है। अब साइन्स में प्रकाशित एक अध्ययन में फफूंद के साथ चींटियों के इस सम्बंध की शुरुआत का समय अधिक सटीकता से निर्धारित किया गया है। यह अनुकूलन लगभग 6.6 करोड़ वर्ष पहले हुआ था जब एक उल्का की टक्कर ने पृथ्वी से डायनासौर समेत कई प्राणियों का सफाया कर दिया था।

चींटियों के फफूंद बागानों का सर्वप्रथम विवरण डेढ़ सौ साल पहले दिया गया था। तब से वैज्ञानिकों ने 247 ऐसी चींटी प्रजातियां खोजी हैं जो फफूंदों को पालती हैं और भोजन के लिए उन पर निर्भर हैं। शोधकर्ताओं का मत रहा है कि ऐसी सारी किसान चींटियां एक साझा पूर्वज से विकसित हुई हैं और धीरे-धीरे प्रत्येक प्रजाति ने अलग-अलग फफूंद को पालतू बना लिया और इस तरह वे अलग-अलग प्रजातियां बन गईं।

लेकिन इस फफूंद-चींटी कृषि सम्बंध में शामिल फफूंदों का वंशवृक्ष तैयार करना एक चुनौती रही है। इस वजह से यह कहना मुश्किल रहा था कि यह सम्बंध कब शुरू हुआ था। अब फफूंद जीनोम के विश्लेषण की नई तकनीकें विकसित होने के बाद 475 फफूंद प्रजातियों के जीनोम का निर्धारण संभव हो पाया है। इनमें से लगभग सभी की खेती चींटियों द्वारा की जाती है। स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूशन के टेड शूल्ज़ और उनके साथियों ने इस जानकारी को 276 चींटी प्रजातियों के जीनोम आंकड़ों के साथ रखकर देखा। इन वंशवृक्षों को जब चींटी व फफूंद के जीवाश्म रिकॉर्ड के साथ रखकर अध्ययन किया तो वे प्रत्येक जोड़ी के आरंभ की तारीख का अंदाज़ लगा पाए।

इस विश्लेषण के आधार पर शूल्ज़ का निष्कर्ष है कि किसानी में शामिल चींटी और फफूंद दोनों का उद्भव करीब 6.6 करोड़ वर्ष पूर्व हुआ था। उस समय उल्का की टक्कर के कारण मलबे का ऐसा गुबार फैला कि प्रकाश संश्लेषण की क्रिया कई महीनों के लिए ठप हो गई। वनस्पतियों और उन पर निर्भर जीवों का सफाया हो गया। प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया वनस्पतियों के लिए तो ज़रूरी है ही, समस्त जंतु भी भोजन के लिए इसी के भरोसे हैं।

लेकिन फफूंदों की तो बन आई। फफूंद आम तौर पर वनस्पति अवशेषों का विघटन करके काम चलाती हैं। शोधकर्ताओं का मत है कि इस समय जो चींटियां फफूंदों के साथ ढीला-ढाला सम्बंध बना चुकी थीं, उन्होंने इसे और मज़बूत कर लिया।

एक चिम्पैंज़ी के साथ-साथ एक 'बोली' की विलुप्ति

हाल में करंट बायोलॉजी में प्रकाशित एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2004 में आइवरी कोस्ट के ताई नेशनल पार्क में शिकारियों ने जब चिम्पैंज़ियों के एक समूह के अंतिम दो वयस्क नरों में से एक को गोली मार दी थी तो उसके साथ-साथ चिम्पैंज़ियों के उस समूह की 'बोली' का एक इशारा (भाव-भंगिमा) भी खत्म हो गया। वैसे तो कई अध्ययनों से हमें चिम्पैंज़ियों के व्यवहार/औज़ारों के इस्तेमाल वगैरह में विविधता के बारे में काफी कुछ पता चला है। हम यह भी जानते हैं चिम्पैंज़ी समुदाय किस तरह से औज़ारों/साधनों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन यह अध्ययन पहली बार इस बात के प्रमाण प्रस्तुत करता है कि चिम्पैंज़ियों के अलग-अलग समूह एक ही चाहत या संवाद के लिए अलग-अलग हाव-भाव का इस्तेमाल करते हैं और मनुष्यों के हस्तक्षेप या

गतिविधियों के कारण उनके समूह के ये विशिष्ट व्यवहार विलुप्त हो रहे हैं।

दरअसल नर चिम्पैंज़ी जब मादा के लिए अन्य नरों के साथ होने वाले टकराव और लड़ाई को टालना चाहते हैं तो वे गुपचुप संभोग के लिए मादा को चुपके से इशारा करते हैं। ये इशारे आम तौर पर संभोग आमंत्रण के लिए दिए जाने वाले इशारों से अलग होते हैं। ये इशारे इतने चुपके से किए जाते हैं कि बस पास मौजूद मादा का ही इन पर ध्यान जाए, अन्य नरों का नहीं।

स्विस सेंटर फॉर साइंटिफिक रिसर्च के संरक्षण जीवविज्ञानी चिम्पैंज़ियों के इन्हीं इशारों और उनके मायनों में विविधता का अध्ययन कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने ताई जंगल में रहने वाले चार चिम्पैंज़ी समुदायों के 495 इशारों का अध्ययन किया और पाया कि एक ही बात के लिए प्रत्येक समूह के इशारों में अंतर होता है, हालांकि कुछ इशारे एक समान भी होते हैं। जैसे संभोग के लिए आग्रह करने के लिए चारों समुदायों के नर किसी एक डाली को आगे-पीछे हिलाते हैं या अपनी एड़ी को ज़मीन पर पटकते हैं। लेकिन सिर्फ दक्षिणी और पूर्वी समुदाय के चिम्पैंज़ी चुपके से संभोग के इशारे के लिए पत्तियों को चीरते हैं, और केवल पूर्वोत्तर समुदाय के चिम्पैंज़ी उंगलियों के जोड़ से पेड़ या किसी सख्त सतह को ठोंकते हैं जैसे हम दरवाज़े को खटखटाते हैं। इस इशारे को नकल नॉक (द्मठ्ठह्वष्द्मद्यद्ग द्मठ्ठशष्द्म) कहते हैं। वहीं हज़ारों किलोमीटर दूर युगांडा के चिम्पैंज़ी इनमें से किसी इशारे का इस्तेमाल नहीं करते बल्कि वे अपने दोनों हाथों से किसी वस्तु पर तबला जैसे बजाते हैं, और यह इशारा आइवरी कोस्ट के चिम्पैंज़ियों में नहीं देखा गया था।

जब शोधकर्ता इन इशारों का अध्ययन कर रहे थे तब दल की फील्ड असिस्टेंट होनोरा नेने कपाज़ी का ध्यान चिम्पैंज़ियों के पूर्वोत्तर समूह द्वारा किए जाने वाले एक इशारे की ओर गया। उनके ध्यान में यह बात पिछले 30 से अधिक वर्षों से चिम्पैंज़ियों के साथ किए गए उनके काम के अनुभव के चलते आई।

कहां है 13 साल की उम्र में मराठी फिल्म 'सैराट' से डेब्यू करने वाली रिंकू राजगुरु? जानें कैसे जी रही जिदंगी

मुंबई । मराठी सिनेमा में कई ऐसे किरदार हैं, जो पहली ही फिल्म से छा गए। मराठी सिनेमा ने हिंदी सिनेमा को भी कई ऐसे बड़े स्टार्स से नवाजा है, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

हिंदी सिनेमा में मराठी फिल्मों से प्रेरित होकर कई फिल्में बनाई गई हैं, जिनमें से एक है 'सैराट'। फिल्म ने मराठी भाषा में रिलीज के साथ तो कमाल ही किया, लेकिन हिंदी भाषा में भी फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पांस मिला। फिल्म के मुख्य किरदारों की भी बड़ी चर्चा और सराहना हुई। लेकिन फिल्म में लीड रोल निभाने वाली अभिनेत्री रिंकू राजगुरु कहां है?

फिल्म 'सैराट' में रिंकू राजगुरु ने अर्चना पाटिल का रोल प्ले किया था, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये उनकी पहली फिल्म थी और उनकी उम्र महज 13 साल थी। जब पहली बार डायरेक्टर नागराज मंजुले ने रिंकू को साइन किया था, तब वे सातवीं कक्षा में पढ़ती थीं। मुलाकात

के एक साल बाद ही उन्हें नागराज मंजुले ने अपनी फिल्म में लीड रोल ऑफर किया था। ये अनुभव रिंकू के लिए काफी नया था।

बता दें कि इसी साल सैराट को मार्च 2025 में री-रिलीज किया गया था। ये फैसला फिल्म के 9 साल पूरे होने के बाद लिया गया था।

आज इसी फिल्म की बदौलत अभिनेत्री मराठी फिल्मों और नाटकों में सक्रिय है और अब सामाजिक हितों से ओतप्रोत फिल्में बनाने लगी हैं। हाल ही में रिंकू की नई फिल्म 'आशा' 19 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। मराठी भाषा में बनी इस फिल्म 'आशा' में सैराट की स्टार रिंकू राजगुरु ने मालती का किरदार निभाया है, जो सामुदायिक सेवा में अपना योगदान दे रही हैं लेकिन उनके खुद के जीवन में मुश्किलों का दौर जारी है।

शादी के बाद मालती के ससुराल वाले नहीं चाहते हैं कि वह साइकिल के जरिए गांव-गांव घूमे, लेकिन मालती अपने पति को मनाकर रखती है, और वह उसके काम में उसका सहयोग करता है। लेकिन गर्भवती और बेहद परेशान कमला (शुभांगी भुजबल) मालती की जिंदगी को नया उद्देश्य देती है, जिससे दोनों की जिंदगी में कई मुश्किलें आती हैं, लेकिन अंत में मंजिल मिल जाती है। फिल्म को सिनेमाघरों में अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

रिंकू फिल्म 'आशा' से पहले, 'बेटर-हाफ ची लव्हस्टोरी' और 'झिम्मा-2' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

संभावनाओं का साल 2026 : दीपिका पादुकोण पर नजर, पाइपलाइन में मेगा बजट की बड़ी फिल्में

मुंबई। बॉलीवुड की शानदार एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के लिए साल 2025 विवादों से घिरा रहा है, लेकिन साल 2026 में वे स्क्रीन पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं।

अभिनेत्री के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं, जिन पर वे लगातार काम कर रही हैं। मां बनने के बाद अभिनेत्री ने बीते साल पर्दे से दूरी बनाकर रखी थी, लेकिन अब वे साल 2026 को पूरी तरीके से अपने नाम करने के लिए तैयार हैं।

दीपिका पादुकोण, विक्की कौशल की बहुप्रतीक्षित पौराणिक ड्रामा 'महावतार' में एक अहम भूमिका निभाती दिख सकती हैं। फिल्म में उनके किरदार को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो दीपिका का नाम फाइनल हो चुका है। वहीं, दीपिका पादुकोण एक बार फिर शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आने वाली हैं। फिल्म के टीजर और पोस्टर भी रिलीज हो चुके हैं, लेकिन फिल्म की रिलीज डेट को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है। दीपिका, शाहरुख खान की लगभग हर फिल्म में होती हैं, क्योंकि अभिनेता का मानना है कि दीपिका उनके लिए लकी हैं।

'टाइगर वर्सेस पठान' साल 2026 की सबसे बड़ी फिल्म होने वाली है, क्योंकि फिल्म में करण-अर्जुन का मिलन होने वाला है। मतलब शाहरुख खान और सलमान खान लंबे समय के बाद स्क्रीन शेयर करने वाले हैं। फिल्म में बतौर लीड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का नाम सामने आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो दीपिका का नाम फाइनल हो चुका है, लेकिन अभी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

अयान मुखर्जी की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र पार्ट 2: देव' में भी दीपिका पादुकोण महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पहले फिल्म में दीपिका की छोटी सी झलक दिखाई गई थी, लेकिन दूसरे पार्ट में अभिनेत्री का नया वर्जन देखने को मिल सकता है। शाहरुख की मचअवेटेड फिल्म 'पठान-2' भी साल 2026 में रिलीज होगी और एक बार फिर शाहरुख खान के साथ दीपिका नजर आने वाली हैं। फिल्म के पहले पार्ट में शाहरुख के साथ दीपिका ही थी।

निर्देशक एटली कुमार अपने अगले प्रोजेक्ट 'एए22×ए6' में अल्लू अर्जुन के साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के अपोजिट दीपिका पादुकोण को साइन किया जा चुका है और फिल्म में जाह्नवी कपूर भी होंगी। यह साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। इसके नए नाम की घोषणा भी जल्द की जाएगी।

नया साल, नए सपने और नई ऊर्जा: इन मोटिवेशनल फिल्मों से मिलेगा आगे बढ़ने का जज्बा

मुंबई। नया साल सिर्फ कैलेंडर बदलने का नाम नहीं है, बल्कि यह खुद से नए वादे करने, बीते अनुभवों से सीखने और आगे बढ़ने का एक मौका होता है। हर कोई चाहता है कि आने वाला साल पहले से बेहतर हो, चाहे वह पढ़ाई हो, करियर हो या फिर खेल। ऐसे में अगर साल की शुरुआत प्रेरणादायक कहानियों के साथ की जाए, तो मन में सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है।

चक दे! इंडिया:- सिर्फ एक स्पोर्ट्स फिल्म नहीं है। यह आत्मसम्मान, टीम वर्क और दोबारा खुद को साबित करने की कहानी है। फिल्म में शाहरुख खान द्वारा निभाया गया कोच कबीर खान का किरदार सिखाता है कि असफलता जिंदगी का अंत नहीं होती। एक हार के बाद समाज और सिस्टम से

ठुकराए गए कबीर खान सात साल बाद भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच बनते हैं। टीम में आपसी मतभेद, अहंकार और क्षेत्रीय सोच भरी होती है, लेकिन धीरे-धीरे वह सभी को एक टीम में बदल देते हैं।

तारे जमीन पर:- फिल्म 'तारे जमीन पर' बच्चों और बड़ों, दोनों के लिए एक गहरा संदेश देती है। यह कहानी ईशान नाम के बच्चे की है, जिसे पढ़ाई में कमजोर समझकर नजरअंदाज किया जाता है, जबकि असल में वह अलग तरह की सोच रखता है। आमिर खान द्वारा निभाया गया शिक्षक का किरदार यह दिखाता है कि सही मार्गदर्शन किसी की पूरी जिंदगी बदल सकता है। नए साल की शुरुआत में यह फिल्म खास है, क्योंकि यह सिखाती है कि हर इंसान खास होता है, इसलिए तुलना करने के बजाय ताकत पहचाननी चाहिए।

धनुष ने 2025 को बताया यादगार, नए साल से जताई उम्मीदें

मुंबइ । साल 2025 दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार धनुष के लिए कई यादगार पल लेकर आया। तीन अलग-अलग भाषाओं में उनकी तीन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया और फैंस के बीच उनका स्टारडम और भी बढ़ गया। हर फिल्म में उनकी मेहनत, जुनून और अभिनय का जादू साफ नजर आया। ऐसे में नए साल 2026 की शुरुआत उन्होंने आभार और खुशियों के साथ की।

सोशल मीडिया पर फैंस के लिए उन्होंने एक खास संदेश लिखा और नए साल की शुभकामनाएं दी।

धनुष ने अपने पोस्ट में लिखा, ''2025 मेरे लिए बेहद खास और यादगार रहा। तीन फिल्मों का हिट होना एक बड़ा आशीर्वाद था और यह सब आप लोगों की वजह से ही हासिल हुआ। मैं आप सभी

का धन्यवाद करना चाहता हूं। आपके प्यार और समर्थन के बिना यह सब संभव नहीं था।'' नए साल के मौके पर धनुष ने फैंस को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, ''मैं कामना करता हूं कि 2026 का साल सभी के लिए खुशियों, स्वास्थ्य और सफलता से भरा हो और यह साल हर किसी की जिंदगी में नई उमंग और उम्मीद लेकर आए।''

उन्होंने पोस्ट के आखिर में कहा कि आप सभी ही मेरी असली ताकत और सहारा हैं, 'ओम नम: शिवाय...'

साल 2025 की शुरुआत में धनुष की फिल्म 'कुबेर' रिलीज हुई, जिसने दर्शकों का दिल जीता। इस फिल्म का निर्देशन शेखर कम्मुला ने किया। फिल्म में धनुष के अलावा, नागार्जुन, रश्मिका मंदाना, जिम सर्भ, दलीप ताहिल और सयाजी शिंदे जैसे कलाकार दिखाई दिए। यह फिल्म तेलुगु और तमिल दोनों भाषाओं में रिलीज हुई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और दर्शकों की खूब तारीफें पाई।

इसके बाद धनुष की तमिल फिल्म 'इडली कढ़ाई' रिलीज हुई। फिल्म में नित्या मेनन, अरुण विजय, शालिनी पांडे और सत?यराज जैसे कलाकारों ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। बॉक?स ऑफिस पर इस फिल?म ने देश में तकरीबन 50.33 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 71.68 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया। साल की आखिर में उनकी फिल्म 'तेरे इश्क में' रिलीज हुई। इस फिल्म को आनंद एल. रॉय ने निर्देशित किया। इसमें कृति सेनन लीड रोल में नजर थीं। फिल्म ने पहले ही दिन 16 करोड़ रुपए की दमदार कमाई की थी।

कमल हासन से लेकर अल्लू अर्जुन तक, साउथ स्टार्स ने दी नए साल की बधाइयां, कहा- 'हर दिन का उठाएं पूरा फायदा'

चेन्नई। नए साल के मौके पर फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सितारे अपने फैंस और फॉलोअर्स को सोशल मीडिया के जरिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। हर कोई इस मौके पर अपनी पुरानी गलतियों से सीखने और खुद को बेहतर बनाने का संकल्प करता है। बॉलीवुड, तमिल और तेलुगु फिल्मों के सितारे भी इस मौके को व्यक्तिगत और सकारात्मक संदेश देने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।

इस बार कई बड़े सितारों ने अपने शब्दों के जरिए न केवल शुभकामनाएं दीं, बल्कि अपने फैंस के प्रति आभार और जिंदगी के अनुभवों को भी साझा किया।

अभिनेता, निर्माता और सांसद कमल हासन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फैंस को नए साल की बधाई देते हुए लिखा, ''नया साल हमें एक मौका देता है कि हम पिछले साल से बेहतर, दयालु और समझदार बनें। श्रेष्ठता लगातार मेहनत करने से आती है, इसलिए हर दिन का पूरा फायदा उठाएं। मेरी कामना है कि आप जो भी करें, वह आपको खुशियां दे और हर दिन का आनंद लें।''

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार चिरंजीवी ने भी सोशल मीडिया पर फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, ''नए साल की बधाइयां। इस साल का स्वागत सकारात्मकता, आशा और एकता के साथ करें और मिलकर इसे सभी के लिए एक सुंदर साल बना दें।'' तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों में से एक अल्लू अर्जुन ने भी अपने फैंस को शुभकामनाएं दीं और प्यार के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, ''मैं आप सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि आपने हर मुश्किल समय में मेरा साथ दिया। आपका विश्वास मुझे हर दिन नई ताकत और नया मकसद देता है। आने वाला समय नई चुनौतियों और अवसरों से भरा होगा, इसके लिए तैयार रहें।''

तमिल अभिनेता प्रदीप रंगनाथन ने भी अपने फैंस को नए साल की बधाई दी। प्रदीप ने अब तक तमिल में तीन लगातार ब्लॉकबस्टर और तेलुगु में एक सुपरहिट फिल्म दी है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'नए साल की शुभकामनाएं। अगर हमारे विचार अच्छे हैं, तो अच्छे ही परिणाम सामने आते हैं। सकारात्मक सोच और सही दृष्टिकोण के साथ साल की शुरुआत करें।

संभावनाओं का साल 2026 : पर्दे पर दिखेंगे नए चेहरे, इस साल डेब्यू करेंगे ये स्टार्स

मुंबई। नए साल 2026 की शुरुआत बॉलीवुड के लिए शानदार रही। आज ही अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा और अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया की डेब्यू फिल्म 'इक्कीस' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। साल 1971 की जंग में शहीद हुए सबसे युवा परम वीर चक्र विजेता अरुण खेत्रपाल की बहादुरी की कहानी पर बनी यह फिल्म दर्शकों का दिल जीत रही है।

अगस्त्य नंदा के साथ ही अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी 'इक्कीस' में डेब्यू कर चुकी हैं। यह उनका बड़ा ब्रेक है। फिल्म में उनके अभिनय को दर्शक पसंद कर रहे हैं।

साल 2026 में कई नए चेहरे बड़े पर्दे पर धमाल मचाने आ रहे हैं। स्टार किड्स से लेकर साउथ की मशहूर अभिनेत्रियां और फ्रेश टैलेंट तक, ये डेब्यूटेंट्स एक्शन, पौराणिक और रोमांस जैसे अलग-अलग जॉनर की फिल्मों से अपनी एक्टिंग का जादू बिखेरेंगे। इस साल पर्दे पर डेब्यू करने वाले सितारों की लिस्ट में शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा के साथ ही और भी सितारे हैं।

सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रही हैं

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान। ओटीटी पर 'द आर्चीज' से डेब्यू करने के बाद अब वह बड़े पर्दे पर पिता शाहरुख के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर में सुहाना अहम किरदार में नजर आएंगी।

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा एक अनटाइटल्ड लव स्टोरी से लॉन्च हो रहे हैं, जिसे नेशनल अवॉर्ड विनर निर्देशक साई राजेश बना रहे हैं।

इसके अलावा, मेधा राणा 'बॉर्डर 2' में सनी देओल और वरुण धवन के साथ बड़े पर्दे पर डेब्यू करेंगी। मेधा की यह फिल्म वॉर ड्रामा है। अभिनेता वरुण धवन, सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी के साथ मेधा राणा फिल्म में एक्टिंग का जलवा बिखेरती नजर आएंगी। इससे पहले वह वेब सीरीज 'लंदन फाइल्स' में अर्जुन रामपाल और पूरब कोहली के साथ नजर आई थीं।

इन एक्टर्स के अलावा, साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई पल्लवी और श्रीलीला भी बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। साउथ की नेचुरल ब्यूटी साई पल्लवी नितेश तिवारी की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'रामायण' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में वह भगवान राम का किरदार निभा रहे रणबीर कपूर के अपोजिट माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में अभिनेता यश रावण और सनी देओल श्रीराम भक्त हनुमान के किरदार में हैं।

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस श्रीलीला भी हिंदी सिनेमा में कदम रख रही हैं। वह अनुराग बसु की रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म में अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी।

संभावनाओं का साल 2026 : ओटीटी पर दस्तक देंगी ये बड़ी पॉपुलर वेब सीरीज, हीरामंडी-2 भी शामिल

मुंबई। साल 2026, सिर्फ फिल्मों के नजरिए से ही बेहतरीन नहीं रहने वाला है, बल्कि इस साल मेगा बजट की बड़ी वेब सीरीज भी ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार हैं।

कुछ ओटीटी सीरीज सीक्वल के साथ दर्शकों का मनोरंजन करेंगी, जबकि कुछ नई सीरीज थ्रिलर और सस्पेंस के साथ फैंस का दिल जीतने वाली हैं। आज हम साल 2026 में रिलीज होने वाली ओटीटी सीरीज के बारे में जानकारी देंगे। संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी' ने ओटीटी पर तहलका मचा दिया था। सीरीज भले ही विवादों में रही, लेकिन नेटफ्लिक्स की रैंकिंग में टॉप वन पर रही थी। अब साल 2026 में सीरीज का दूसरा पार्ट, हीरामंडी-2, रिलीज हो सकता है। हीरामंडी-2 की अनाउंसमेंट हो चुकी है, लेकिन अभी तक रिलीज डेट पर सस्पेंस बना हुआ है। सीरीज में एक बार फिर सोनाक्षी सिन्हा और अदिति राव हैदरी जैसे स्टार्स दिख सकते हैं।

साल 2009 में सोनी लिव पर रिलीज हुई सीरीज 'गुल्लक' का पांचवा सीजन इसी साल हो सकता है। सीरीज में मध्यवर्गीय परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी में होने वाली परेशानियों से लेकर छोटी-छोटी खुशियों को दिखाया गया है। सीरीज में संतोष और शांति मिश्रा और उनके बेटे आनंद 'अन्नू' मिश्रा और अमन मिश्रा की कहानी को देसी तड़के के साथ दिखाया गया है।

साल 2020 में 'पंचायत' वेब सीरीज का पहला सीजन रिलीज हुआ था। पहले सीजन को दर्शकों का ढेर सारा प्यार मिला था और अब इसी साल सीरीज का पांचवां सीजन रिलीज होगा। सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है, लेकिन रिलीज की तारीख पर संशय बना हुआ है। सीरीज में एक बार फिर जितेंद्र कुमार, नीना गुप्ता और रघुबीर यादव जैसे किरदार देखने को मिलेंगे। इमरान हाशमी की ओटीटी सीरीज 'तस्करी: द स्मगलर्स वेब' इसी साल रिलीज के लिए तैयार है। सीरीज में इमरान हाशमी कस्टम ऑफिसर की भूमिका निभा रहे हैं। सीरीज से अभिनेता का लुक भी जारी कर दिया गया है। सीरीज को 14 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे। जुए के खेल में होने वाले खतरे और जोखिम को दिखाती सीरीज 'मटका किंग' भी इसी साल रिलीज होगी। सीरीज में विजय वर्मा, कृतिका कामरा और साईं ताम्हणकर दिखने वाले हैं। माना जा रहा है कि सीरीज मार्च से पहले रिलीज हो जाएगी, लेकिन अभी तक फिल्म की रिलीज डेट आना बाकी है। सीरीज को अमेजन प्राइम पर देख पाएंगे।